RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 5 जान्हवी कपूर से जुड़ी...

वर्ष : 26 | अंक : 241 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

नेपाल में बड़ा हादसा : **पोखरा से काठमांडू जा रही भारतीय बस नदी में गिरी**

हादसे में 15 की मौत, 25 लापता

काठमांडू /गोरखपुर(एजेंसी)। यूपी के गोरखपुर से पर्यटकों को लेकर नेपाल गयी एक भारतीय बस शुक्रवार को पोखरा से काठमांडू के बीच तनहु जिले के अबुखैरेनी में मार्स्यांगडी नदी में गिर गई है। बस में कुल 40 लोग सवार थे। सभी यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले थे। बस गोरखपुर के केसरवानी ट्रैवल्स की बताई जा रही है। बस का ड्राइवर मुर्तजा गोरखपुर का रहने वाला था, हादसे में उसकी भी मौत हो गई है। अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं जबकि बाकी लापता हैं।

तनहु के एसपी बीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी नदी में बस अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर 2 स्थित ऐन पहरा से नदी में गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी में मौके पर पहुंच गए हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस नम्बर यूपी 53 एफटी 7633 बताया गया है। बस में चालक-परिचालक समेत 40 लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस राहत बचाव के लिए पहुच गयी है। नेपाल पुलिस ने बताया कि बचाव कार्य चल रहा है। अब तक की जानकारी के मुताबिक बस में सवार सभी यात्री महाराष्ट्र के हैं। करीब 25 यत्रियों का अभी पता नही चल पा रहा है।

बताया जा रहा है कि चारू नामक व्यक्ति ने गोरखपुर शहर में (शेष पृष्ठ-3 पर)

उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त ने जारी किया बयान

इस बीच उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त ने कहा कि नेपाल की घटना के संबंध में हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या बस में उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति था। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

जुलाई में दो बसें नदी में बह गई थीं

इससे पहले इस साल जुलाई में नेपाल में दो बसों में सवार 65 लोग उफनती त्रिशूली नदी में बह गए थे। तब काठमांडू जाने वाली एंजेल बस और गणपति डीलक्स की बस हादसे का शिकार हुई थीं। बसें काठमांडू से रौतहट के गौर जा रही थीं।

प्रॉपर्टी विवाद में सिपाही ने की व्यापारी की हत्या

60 लाख रुपये लेकर भी व्यापारी ने नहीं दिया था फ्लैट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के अंतर्गत एक दिल्ली पुलिस के सिपाही ने व्यापारी की गला दबाकर हत्या कर दी और शव छुपाने की मंशा से झाड़ियों में फेंककर चला गया। पुलिस पिछले कई दिनों से इस मामले में तफ्तीश कर रही थी। व्यापारी 9 अगस्त से लापता था। व्यापारी के परिवार वालों ने थाने में उसके गायब होने की सूचना दी थी।

थाना प्रभारी बीटा-2 ने बताया कि व्यापारी अंकुश शर्मा और दिल्ली पुलिस के सिपाही प्रवीण के बीच एक फ्लैट को लेकर सौदा हुआ था। लेकिन अंकुश प्रवीण को फ्लैट नहीं दे पा रहा था। बताया जा रहा है कि 60 लाख रूपये प्रवीण ने अंकुश को दे दिए थे। जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। बताया गया है अंकुश और प्रवीण ने पहले एक साथ शराब पी और फिर प्रवीण ने अंकुश की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को झाड़ियों में फेंक दिया ताकि पता ना चल सके

उसकी हत्या हुई है या कुछ और, लेकिन जब पुलिस ने पूरी तफ्तीश की तब पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस के सिपाही प्रवीण को थाने बुलाया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने पता लगा लिया है कि हत्या प्रवीण ने ही की है उसे आज गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) सादमियां खान ने बताया कि थाना बीटा- 2 क्षेत्र में स्थित गोल्ड फिएस्टा सोसाइटी में रहने वाले अंकुश (40 वर्षीय) बीते 9 अगस्त की रात से अपने घर से लापता थे। उनके परिजनों ने इस मामले में थाना बीटा- दो में मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की (शेष पृष्ठ-3 पर)

विभिन्न सड़क हादसों में दो की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान पर अज्ञात वाहनों की चपेट में आने से हुई दो व्यक्तियों की मौत के मामले में थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

किदवई नगर दादरी निवासी खचेडू खान 6 अगस्त को बाजार से सब्जी व सामान लेकर घर आ रहे थे। वह जैसे ही आईजी गार्डन के पास पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रही कार के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से खचेडू खान गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान कार चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर हालत में

खचेडू खान को नवीन अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इस संबंध में इस्लाम मलिक ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

इगलास जनपद अलीगढ़ निवासी अंकित ने टाटा-407 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अंकित ने बताया कि उसके पिता कृष्ण वीर सिंह 16 टायरा ट्रक पर हेल्पर थे। वह 5 अगस्त को ट्रक के चालक राकेश के साथ पंजाब से कानपुर के लिए जा रहे थे। दनकौर टोल से कुछ पहले ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर चालक राकेश ने टायरों की हवा चेक करने के लिए ट्रक को सड़क किनारे रोका। कृष्ण वीर सिंह नीचे उतरकर टायर चेक कर रहे थे। पीछे से तेज गति में आ रहे टाटा 407 के चालक ने कृष्ण वीर सिंह को टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें कासना स्थित अस्पताल भर्ती कराया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

उप्र पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती परीक्षा पर सीपी व डीएम की पैनी नजर

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती-2023 जनपद में 18 केंद्रों पर आयोजित हो रही है, जिसकी मॉनिटरिंग कलेक्ट्रेट में बनाए गए लाइव मॉनिटरिंग सेल में निरंतर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने कलेक्ट्रेट सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में बनाए गए लाइव मॉनिटरिंग सेल में पहुंचकर जनपद में प्रथम पाली की आयोजित हो (शेष पृष्ठ-3 पर)

वाहनों की नई सीरीज UP-16 EN का पंजीयन आज से शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में व्यवसायिक वाहनों की पंजीयन सीरीज UP-16 EL पूर्ण होने के उपरान्त ब्लॉक करते हुए नयी पंजीयन सीरीज UP-16 EN आज (23 अगस्त)को प्रारम्भ की जा रही है। फैन्सी नम्बरों महत्वपूर्ण/ अतिमहत्वपूर्ण नम्बरों की नीलामी के लिए 24 अगस्त 2024 से वाहन स्वामी परिवहन विभाग की वेबसाईट www.fancy.parivahan.gov.in पर जाकर निर्धारित पंजीयन शुल्क जमा कराकर नीलामी में भाग लेने के लिए पंजीयन करा सकते हैं, पंजीयन तीन दिन तक होगा। यह जानकारी एआरटीओ (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो स्थानों पर मोबाइल लूट कर बाइक सवार फरार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान पर बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छिनेती की दो वारदातों को अंजाम दिया। बदमाश एक युवती व युवक से आई फोन मोबाइल छीनकर फरार हो गए। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-11 मेट्रो चौराहे के पास बाइक सवार बदमाश ने एक युवती से उसका मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गया। सेक्टर-12 निवासी अलीशा गहलोत ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 21 अगस्त की सुबह जिम करके अपने घर के लिए जा रही थी। वह जैसे ही मेट्रो चौराहे से थोड़ा आगे पहुंची तो पीछे से बाइक पर आए एक युवक ने उसके हाथ से एप्पल आईफोन 15 प्रो छीन लिया और फरार हो गया। पीड़िता के मुताबिक भागते हुए उसने बदमाश की बाइक का नंबर याद कर लिया। थाना प्रभारी का कहना है (शेष पृष्ठ-3 पर)

मोबाइल टॉवरों से उपकरण चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा अलग-अलग स्थान पर चोरों ने दो मोबाइल टावरों पर चोरी की घटना को अंजाम दिया।चोर टावरो पर लगे आरआरयू व अन्य कीमती उपकरणों को चोरी कर ले गए। थाना सेक्टर 39 में दर्ज कराई रिपोर्ट में एस जी एनकॉम के टेक्नीशियन मुकेश त्रिपाठी ने बताया कि उनकी कंपनी का काम इंडस मोबाइल टावरों की देखरेख का है। उक्त कंपनी का एक टावर सेक्टर 44 की ग्रीन बेल्ट में लगा हुआ है। 30 जून को वोडाफोन कंपनी के इंजीनियर सोनू ने कॉल कर बताया कि उक्त साइड का एक सेक्टर डाउन आ रहा है। वह जब मौके पर पहुंचे तो उन्हें टावर पर लगा आर आर यू गायब मिला। एसजी एनकॉम (शेष पृष्ठ-3 पर)

घर से नकदी व जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के डिफेंस एंक्लेव खेड़ा धर्मपुरा में चोरों ने एक मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर से लाखों रुपए के जेवरात, नगदी आदि चोरी कर ले गए। मोनिका गौड़ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह तथा उसके परिजन 18 अगस्त की दोपहर को अपने रिश्तेदार के घर अलीगढ़ गए थे। 19 अगस्त की रात्रि को जब वह वापस अपने घर आए तो उन्हें दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने उनके घर में रखी अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात व ढाई हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि मोनिका गौड़ की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

वाहन सीज की कार्यवाही को सोशल मीडिया में डालना पड़ा भारी

नोएडा (चेतना मंच)। चेकिंग के दौरान कार के कागजात न होने पर वाहन सीज करने की कार्रवाई की वीडियो बनाकर उसे एडिट कर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में कार चालक के खिलाफ थाना बीटा दो में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी के खिलाफ सोशल मीडिया पर रील वायरल कर आरक्षी की छवि धूमिल करने पर आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 14 अगस्त को वह अल्फा-1 सेक्टर में वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक स्विफ्ट कार को जांच के लिए रोका गया। चालक सागर भाटी पुत्र श्यामवीर भाटी निवासी कामबक्शपुर कार के कागजात नहीं दिखा पाया। इस कारण एमबी एक्ट की धारा-207 के तहत गाड़ी को सीज कर आरक्षी शकील की मदद से थाना बीटा दो भेजा गया। इसके बाद सागर भाटी ने 17 अगस्त को (शेष पृष्ठ-3 पर)

एचसीएल में कार्यरत युवती का लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के रायपुर गांव के पीजी में रहने वाली युवती के कमरे से लैपटॉप चोरी हो गया। एचसीएल कंपनी में कार्यरत युवती ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मूलरूप से असम निवासी वैशाली नाग ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-126 स्थित एचसीएल कंपनी में काम करती है। वर्तमान में वह रायपुर गांव के एक पीजी में किराए पर रह रही है। 20 अगस्त को किसी अज्ञात चोर ने उसके कमरे में रखा लैपटॉप चोरी कर लिया। थाना प्रभारी के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

एटीएम में फंसे कार्ड निकालने के बहाने 50 हजार का लगाया चूना

नोएडा (चेतना मंच)। एटीएम मशीन में कार्ड फंसने के बाद मदद के बहाने दो जालसाजों ने एक व्यक्ति को 50 हजार रुपए का चूना लगा दिया। पीड़ित ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-31 निठारी निवासी बाबूलाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 12 अगस्त की शाम को सेक्टर 31 डी ब्लॉक में स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से पैसे निकालने के लिए गया था। उसने अपना कार्ड एटीएम मशीन में डाला लेकिन वह मशीन में ही फस गया। कुछ देर बाद एटीएम मशीन के सारे फंक्शन स्क्रीन पर आना बंद हो गए। उसने अपने कार्ड को बाहर निकलना चाहा तो वह नहीं निकला।

इस दौरान उसके पीछे खड़े दो युवक भीतर आ गए और मदद के बहाने उनसे मशीन में कई बार पिन नंबर डलवाया। दोनों युवकों ने मशीन के ऊपर ब्लैक स्केच पेन से लिखे हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने को कहा। उसने जब वह नंबर मिलाया तो फोन रिसीव करने वाले ने उस मशीन में कई बार पिन नंबर डलवाया लेकिन उसका कार्ड नहीं निकला। इसके बाद उसने स्टाफ के एक लड़के को भेजने का आश्वासन दिया लेकिन वह भी एटीएम बूथ पर नहीं पहुंचा। इसके बाद उसके नंबर पर उक्त व्यक्ति (शेष पृष्ठ-3 पर)

कार व 6 बाइक समेत 7 वाहन चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से चोर 7 वाहनों को चोरी कर ले गए। चोरी गए वाहनों में एक इको कार व 6 बाइक शामिल है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना बिसरख में ग्राम रिछपाल गढ़ी निवासी विकास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह इको कार चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। 18 अगस्त को उसने अपनी कार पड़ोसी कृष्णपाल के मकान के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठा तो उसकी कार गायब थी।

थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-66 में रहने वाले अनुज कुमार ने अपने घर के बाहर से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक उसने जब घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किये तो उसमें एक व्यक्ति उसकी बाइक को ले जाता हुआ दिख रहा है।

गिझोड गांव निवासी जयवीर सिंह ने थाना फेस-3 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 19 जुलाई को सेक्टर-65 स्थित कंपनी में अन्य ड्यूटी पर आया था। उसने अपनी बाइक कंपनी के बाहर खड़ी की थी। शाम के समय जब वह ड्यूटी खत्म कर बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी।

थाना सेक्टर-63 स्थित एसएसजी फार्मा लिमिटेड कंपनी में कार्यरत अंशित सिंह ने कंपनी के बाहर से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि वह 14 अगस्त को अपनी कंपनी में ड्यूटी पर आया था। उसने अपनी बाइक कंपनी के बाहर खड़ी कर दी। शाम के समय जब वह वापस आया तो उसके बाइक गायब थी।

थाना फेज-2 में सलारपुर गांव निवासी हर्ष शर्मा ने बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हर्ष शर्मा ने बताया कि वह किसी काम से बायोडायवर्सिटी पार्क गया था। उसने अपनी बाइक पार्क के बाहर खड़ी कर दी और भीतर चला गया। कुछ देर बाद जब वह लौटा तो उसकी बाइक गायब थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हादसों को दावत दे रहा सेक्टर-51 का जिम

शिकायत के बावजूद नींद से जाग नहीं रहा उद्यान विभाग: संजीव कुमार

नोएडा (चेतना मंच)। उद्यान विभाग की लापरवाही के कारण सेक्टर-51 के पार्क में बना जिम स्वास्थ्य लाभ के बजाय हादसों को खुली दावत दे रहा है। देखरेख के अभाव में जिम में लगी रबर की टाइल्स जगह-जगह से उखड़ रही है जिससे समूचा एरिया ऊबड़-खाबड़ बन चुका है। जिम का उपयोग करने के लिए यहां न सिर्फ बच्चे बल्कि बुजुर्ग भी आते हैं, लेकिन ऊबड़-खाबड़ मैदान होने के कारण आये दिन वे गिरकर चोटिल हो जाते हैं। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महासचिव तथा डीडीआरडब्ल्यूए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से उद्यान विभाग से शिकायत कर रहे हैं कि जिम के पास उखड़ी टाइल्स सही करवायें। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। उद्यान विभाग के अधिकारी कानों में तेल डाले तथा आंखों में पटटी बांधे किसी बड़े हादसे की प्रतीक्षा करते प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में उद्यान विभाग तुरंत कार्रवाई करे वर्ना सीईओ से इसकी शिकायत की जाएगी।

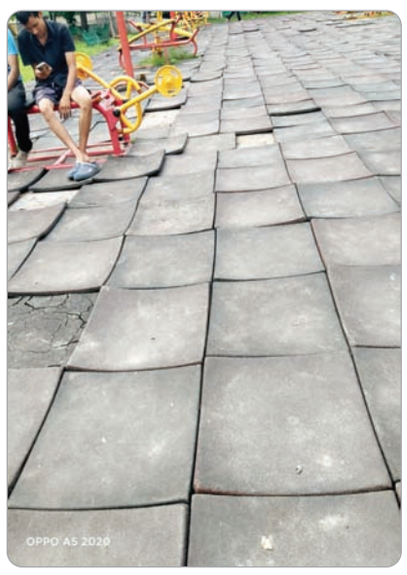

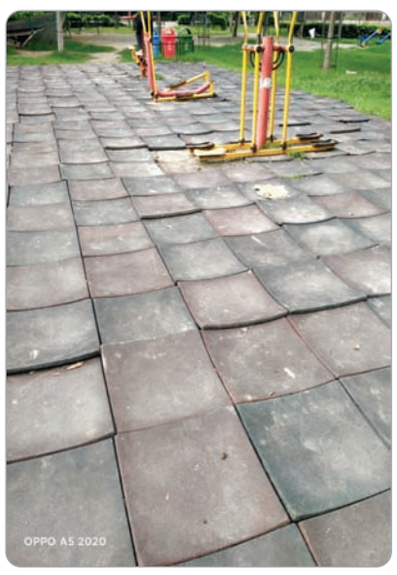

टक्कर का विरोध करने पर कार चालक की धुनाई

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में स्थित मिगशन कंपनी के पास बाइक सवार ने वेगनार कार में टक्कर मार दी। कार चालक ने जब इस बात का विरोध किया तो बाइक सवार ने उसकी पिटाई कर दी।

छिजारसी निवासी कुलदीप ने बताया कि वह 14 अगस्त की शाम को अपने घर से वेगनार कार से सवारी लेने के लिए जा रहा था। मिग्शान कंपनी के पास तेज गति में आ रहे बाइक चालक गौरव गुप्ता ने उसकी कार में टक्कर मार दी। उसने जब गौरव गुप्ता को सही तरीके से बाइक चलाने को कहा तो उसने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट की वजह से उसे चोटे आई और वह घायल हो गया। गौरव गुप्ता ने उनकी कार में भी तोड़फोड़ की।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

इंसाफ की आवाज

प्रख्यात क्रिकेटर सौरव गांगुली को भी विरोध-प्रदर्शन के लिए सडक़ पर उतरना पड़ा है। पत्नी डोना गांगुली भी उनके साथ होंगी। उन्हें बर्बर बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और कार्यस्थलों पर असुरक्षा सरीखे मुद्दों पर विरोध जताना पड़ा है, क्योंकि सौरव-डोना भी एक बेटी के माता-पिता हैं। इधर कुछ घटनाओं ने उनकी आत्मा को झकझोर दिया है। सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ कोलकाता रेप-मर्डर कांड की सुनवाई कर रही है। सर्वोच्च अदालत ने इस कांड का स्वत- संज्ञान लिया है। बंगाल सरकार और पुलिस को खूब फटकार लगाई है और उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए हैं। सरकारें बड़ी मोटी खाल की होती हैं। फटकार का उन पर कोई असर नहीं पड़ता। बेशक संदर्भ कोलकाता अस्पताल में एक युवा ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और बाद में हत्या का है, लेकिन शीर्ष अदालत का सरोकार राष्ट्रीय है। खासकर अस्पतालों में महिला डॉक्टर और नर्स आदि कैसे सुरक्षित रहें, इसके मद्देनजर एक टास्क फोर्स बनाने और अस्पतालों की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने के महत्वपूर्ण फैसले सुनाए गए हैं। प्रधान न्यायाधीश की यह टिप्पणी देशवासियों की आत्मा में लगातार गूंजती रहनी चाहिए कि बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म और हत्या का इंतजार नहीं कर सकता। टास्क फोर्स को अपनी अंतरिम रपट तीन सप्ताह में देनी है और अंतिम रपट दो माह की अवधि में देनी है। फोर्स महिला सुरक्षा के उपाय सुझाएगी। गौरतलब यह है कि 'निर्भया कांड' के एक साल बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में सख्त 'पॉक्सो एक्ट' बनाया गया। उसके बाद 'पॉश' (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरासमेंट ऑफ वूमन एट वर्कप्लेस) एक्ट बनाया गया। फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया। क्या इन कानूनों ने बलात्कारियों को डराया? हमारी व्यवस्था में कई विसंगतियां हैं। करीब 2.43 लाख केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में लंबित पड़े हैं। इनमें पॉक्सो केस भी हैं। हर रोज बलात्कार के केस आ रहे हैं और सरकारें फास्ट ट्रैक कोर्ट के आश्वासन देती रहती हैं। पीड़िता को इंसाफ मिलना बहुत दूर की कौड़ी है। बहरहाल अब मौजूदा संदर्भ में सर्वोच्च अदालत के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा है, लेकिन आदमी की 'पाशविक हवस' अब दरिंदगी की हदें भी पार कर चुकी है। हम बलात्कारियों, हत्यारों को इनसान नहीं मान सकते, वे 'जानवर' से भी अधिक खौफनाक हैं। अब हालात ये बन गए हैं कि बेशक बेटी 3-4 साल की हो और स्कूल जाना शुरू ही किया हो। बेटी बड़ी होकर कॉलेज में पढ़ती हो अथवा गहन पढ़ाई करके डॉक्टर बनी हो और एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत हो। बेटी कहीं जाने के लिए राज्य परिवहन की बस में बैठी हो या बाजार में किसी काम से गई हो। उम्र 60 पार कर चुकी हो और विधवा महिला हो! अब ऐसी बेटियां, नाबालिग या बालिग लड़कियां अथवा उम्रदराज विधवा महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। वे सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं। आखिर यह देश कैसा बन गया है? कोई भी राज्य इन जघन्य, बर्बर अपराधों से अछूता नहीं है। अभी तो सर्वोच्च अदालत के सामने वे ही तथ्य और आंकड़े आएंगे, जो पुलिस ने दर्ज किए होंगे। जिन्हें डर, खौफ के कारण दर्ज नहीं कराया गया अथवा पुलिस ने टालमटोल कर अपराध पर मिट्टी डाल दी, उन अपराधों का संज्ञान कौन लेगा? 2012 के नई दिल्ली के 'अमानवीय' निर्भया कांड के बाद भी 3.33 लाख बलात्कार किए गए हैं, जबकि 1971-2022 के लंबे कालखंड में 8.23 लाख बलात्कार के केस दर्ज किए गए थे। बलात्कार किस गति और अनुपात से बढ़ रहे हैं, आश्चर्य होता है। क्या देश में बेटियां, बहनें और महिलाएं सिर्फ 'बलात्कार की वस्तु' बनकर रह गई हैं? क्या अब वे 'देवी' नहीं रहीं? सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों ने ऐसे हालात, परिवेश, अपराधों पर चिंता जताई है। उससे क्या होगा? कल ही 32 लंबे सालों के बाद औरतों को इंसाफ मिला है-आधा, अधूरा। 1992 में 100 लड़कियों के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। विशेष अदालत ने सिर्फ 6 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। मौजूदा संदर्भों में क्या न्याय मिलेगा, देखते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष- ये चारों, ज्ञान-विज्ञान का विचार के कहना, काव्य के नौ रस, जप, तप, योग और वैराग्य के प्रसंग- ये सब इस सरोवर के सुंदर जलचर जीव हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुकृती साधु नाम गुन गाना। ते बिचित्र जलबिहग समाना॥
संतसभा चहुँ दिसि अवँराई। श्रद्धा रितु बसंत सम गाई॥
सुकृती (पुण्यात्मा) जनों के, साधुओं के और श्री रामनाम के गुणों का गान ही विचित्र जल पक्षियों के समान है। संतों की सभा ही इस सरोवर के चारों ओर की अमराई (आम की बगीचियाँ) हैं और श्रद्धा वसन्त ऋतु के समान कही गई है॥
भगति निरूपन बिबिध बिधाना। छमा दया दम लता बिताना॥
सम जम नियम फूल फल ग्याना। हरि पद रति रस बेद बखाना॥
नाना प्रकार से भक्ति का निरूपण और क्षमा, दया तथा दम (इन्द्रिय निग्रह) लताओं के मण्डप हैं। मन का निग्रह, यम (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह), नियम (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान) ही उनके फूल हैं, ज्ञान फल है और श्री हरि के चरणों में प्रेम ही इस ज्ञान रूपी फल का रस है। ऐसा वेदों ने कहा है॥
औरउ कथा अनेक प्रसंगा। तेइ सुक पिक बहुबरन बिहंगा॥
इस (रामचरित मानस) में और भी जो अनेक प्रसंगों की कथाएँ हैं, वे ही इसमें तोते, कोयल आदि रंग-बिरंगे पक्षी हैं॥
दो0-पुलक बाटिका बाग बन सुख सुबिहंग बिहारु।
माली सुमन सनेह जल सींचत लोचन चारु॥
कथा में जो रोमांच होता है, वही वाटिका, बाग और वन है और जो सुख होता है, वही सुंदर पक्षियों का विहार है। निर्मल मन ही माली है, जो प्रेमरूपी जल से सुंदर नेत्रों द्वारा उनको सींचता है॥

(क्रमश:...)

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दु:ख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते

हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी इतनी सहम गयी है कि गलत धारणाओं को मिटाने के लिये इस तरह की विकृत सोच एवं तथाकथित विकास से जुड़े शत्रु को पीठ के पीछे नहीं, सामने रखना होगा। सोचना होगा कि खुशहाली का पैमाना सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता, शक्ति एवं सत्ता नहीं हो सकता। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी से रंजिश के चलते उस पर गोली चलाते देखे गये हैं।

- ललित गर्ग
लेखक,पत्रकार, स्तंभकार

हिन्दुओं को बांटने की साजिश

कांग्रेस के ब्रांड एम्बेसडर और रायबरेली के सांसद राहुल गांधी जिस तरह की जातिवादी राजनीति कर रहे है, वह देश और समाज के लिये काफी घातक है। राहुल गांधी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिये हिन्दू समाज को बांटने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। यह सिलसिला राहुल ने काफी पहले शुरू कर दिया था। इस साल हुये आम चुनाव के बाद तो राहुल ने हिन्दुओं को बांटने की साजिशें और भी तेज कर दी हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि पारसी दादा फिरोज घांडी के पौत्र राहुल गांधी अपनी जाति धर्म तो छिपाते हैं पर हर हर हिन्दू युवक से उसकी जाति पूछना वह अपना अधिकार समझते हैं। सबसे पहले जान लेते हैं कि राहुल गांधी के दादा फिरोज घांडी को गांधी उपनाम कैसे मिला? कई किताबें कहती हैं कि घांडी फिरोज का कुलनाम था, जो पारसी धर्म में एक जाति विशेष का उपनाम होता है। फिरोज का उपनाम घांडी लोगों की जुबान पर नहीं चढ़ा था, एक तो घांडी उपजाति वाले पारसियों की आबादी बेहद कम थी दूसरे उस समय तो सब गांधी के पीछे भाग रहे थे। अज्ञानतावश लोग फिरोज घांडी को भी फिरोज गांधी कहकर बुलाने लगे, जिसका फिरोज को फायदा भी मिला, इसलिये उन्होंने कभी इसका विरोध नहीं किया, लेकिन यह भी हकीकत है कि वह मरते दम तक पारसी ही रहे उन्होंने अपना धर्म नहीं बदला। पारसी समाज के रीतिरिवाज के अनुसार ही उनकी अंतिम क्रिया हुई थी।

खैर, यह सब इस लिये याद आ गया क्योंकि राहुल गांधी एक बार फिर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में हुई एक हत्या के सहारे हिन्दुओं को आपस में लड़ाने के लिये बिसात बिछा रहे हैं। बता

दें पिछले दिनों राबयरेली में आपसी लड़ाई झगड़े में पासी समाज के युवक अर्जुन की हत्या कर दी गई थी। यह एक आपराधिक घटना थी जिसे राहुल गांधी ने दलित बनाम सवर्ण सियासत में बदल दिया। अपनी इसी सियासी महत्वाकाक्षा को पूरी करने के लिये 20 अगस्त मंगलवार को रायबरेली पहुंचे। उन्होंने यहां अर्जुन पासी के परिजनों से मुलाकात की। भरोसा दिया कि उत्पीड़न के मामले को सड़क से सदन तक उठाया जाएगा।

राहुल गांधी इस हत्याकांड के सहारे अगड़ों और दलितों के बीच खाई पैदा करने का कुचक्र रचने लगे। बता दें राहुल गांधी दलित समाज के युवक अर्जुन पासी के मामले को लेकर विधानसभा की 103 सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं। उनकी पार्टी यह भी रणनीति बना रही है कि दलितों से जुड़े मुद्दे पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भी अब अर्जुन पासी की हत्या का मुद्दा उठाया उत्तर प्रदेश में जाटवों के बाद पासी दूसरा सबसे बड़ा दलित समुदाय है, जो राज्य की कुल अनुसूचित जाति आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है। समाज के लोगों का दावा है कि वे करीब 103 सीटों पर प्रभाव रखते हैं, जिसमें 70 सीटें ऐसी हैं, जहां पासी समाज ही निर्याणक भूमिका में हैं।

राहुल गांधी यह सब तब कर रहे हैं जब कुछ दिन पहले ही गोली मारकर अर्जुन पासी की हत्या के मामले में परिजनों की शिकायत पर पांच लोगों पर नामजद एफआईआर की जा चुकी है और उनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। बाकी का काम अदालत को करना है। इस मामले में बाद में ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि पर भी कुछ संगठनों ने हत्याकांड में शामिल होने का आरोप जड़ दिया. हालांकि, इस संबंध में पुलिस ने कहा है कि परिजनों ने जिसके खिलाफ नामजद एफआइआर दर्ज करवाई है उन पर कार्रवाई की गई है।

उधर, रायबरेली पहुंचे कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, यहां पर जो सभी लोग हैं, वो न्याय मांग रहे हैं, क्योंकि एक दलित युवक को जान से मारा गया है। पूरे परिवार को धमकाया गया है. एक शख्स को मारा गया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यहां के पुलिस अधीक्षक हत्याकांड के मास्टरमाइंड पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। छोटे-छोटे लोगों को पकड़ रहे हैं, उत्तर प्रदेश में हर वर्ग का आदर हो और न्याय सबको मिले। जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम पीछे नहीं हटने वाले हैं।

संगठनों के दबाव में पुलिस द्वारा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि का नाम हत्याकांड में न जोड़े जाने पर रायबरेली में इस मामले को दलित बनाम सवर्ण बना दिया गया है। पुलिस ने छह आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया है और मुख्य आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी की मांग उठाते हुए लोगों का प्रदर्शन जारी है।

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन परेशान रहेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। भ्रामक समाचार की प्राप्ति होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
किसी नए व्यापार की शुरुआत न करें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टकारी हो सकती है। भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें। स्वास्थ्य ठीक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बहुत बचकर पार करें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य व साथ पर ध्यान दें। खुद के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें, प्रेम-संतान और व्यापार मध्यम दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर विजय पाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मन व्यथित रहेगा। बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत है। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित होगा। घर में कोई बड़े स्तर का लड़ाई-झगड़ा न हो इस बात का ध्यान रखें। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। लेकिन नए व्यापार की शुरुआत अभी न करें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। निवेश मत करिएगा। जुआ-सट्टा लॉटरी में पैसे न लगाएं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार मध्यम।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा का स्वर्णनगरी साइड-4 में स्थित माल पर धरना शुरू किया। जिसकी अध्यक्षता नासिर प्रधान एवं संचालन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लौकेश भाटी ने किया।

इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान ने कहा कि संगठन के बहूत ही पुराने कार्यकर्ता सुनील भाटी ने क़रीब 8 वर्ष पहले मॉल के दोनों गेटों पर दो दुकान ली थी जो पिछले लंबे समय से संचालित है उनके पास सारे काग़ज़ है और अभी क़रीब एक महीने पहले मॉल प्रशासन ने उसकी लाइट और पानी काट दिए जिससे उसका दुकानों में रखा माल आइसक्रीम और लाखों का नुक़सान हुआ है।

संगठन ने मॉल प्रशासन को अवगत भी कराया कि इनकी लाइट और पानी चालू कर दिया जाए लेकिन मॉल प्रशासन नहीं माना आज संगठन ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ क़रीब 11 बजे मॉल के गेट पर धरना शुरू किया और धरने की सूचना पाकर चौकी इंचार्ज ऐछर व थाना बीटा टू एसएचओ मौक़े पर पहुँचे उन्होंने मॉल की मालकिन से बात कर यह सुनिश्चित किया कि आपकी लाइट और पानी को चालू कर दिया जाएगा। और दो

तीन दिन बाद बैठकर समस्या का समाधान निकाल लिया जाएगा। जिस पर दोनों पक्ष सहमत हो गए थोड़ी देर बाद ही मॉल की मालकिन मुकर गई और गुस्साए किसानों ने धरना प्रदर्शन को अनिश्चितकालीन शुरू कर दिया संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजेश भाटी ने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा मॉल प्रबंधन बिजली पानी की सप्लाई चालू नहीं करेगा तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों के साथ धरना स्थल पर पहुंचेंगे। इस राजे प्रधान कृष्ण नागर नरेंद्र भाटी नासिर प्रधान लोकेश भाटी अरूण नागर संजय कसाना प्रमोद भाटी उमेश राणा बिपिन नागर सुनील भाटी भारत नागर मोहित भाटी प्रदीप भाटी जगत बीडीसी अनुज नागर संजीत भाटी अमित भाटी विकेश यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बिल्डर के खिलाफ भाकियू (बलराज) ने भरी हुंकार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट निवासी अपनी समस्याओ को लेकर कल से भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व मै अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया।

धरने पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी अपने कार्यकर्ताओ के साथ भारी तादाद में काफिले के साथ पहुँचें गुस्साए सोसायटी निवासियों ने पैरामाउंट बिल्डर के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बिल्डर को जमकर कोसा सोसायटी निवासी रामकुमार नागर, केपी सिंह, भगवंत सिंह, एन बी जोशी, राहुल भाटी ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि सोसायटी में घर खरीदते समय पैरामाउंट बिल्डर ने बेहतर सुरक्षा से लेकर मेंटिनेंस, बिजली पानी खेल-कूद के मैदान पार्क जैसी अनेकों सुविधाओं से लैस सजग सपने दिखाये थे। जिससे लोगों ने अपनी जिन्दगी भर की खुन पसीने की कमाई पैरामाउंट बिल्डर के बनाये गए विला और फ्लैट खरीदने मै लगा दी और अब पैरामाउंट बिल्डर उस जमीन पर अवैध निर्माण कर रहा है जिस जमीन पर निवासियों के लिए पार्क, झील और खेल-कूद का मैदान होना चाहिए था भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने धरने को सम्बोधित

करते हुए कहा कि आज तो सिर्फ ट्रेलर दिखाया है फिल्म तो बाकी है पैरामाउंट बिल्डर समय रहते चेत जाए।

बलराज भाटी ने कहा कि यदि पैरामाउंट बिल्डर ने सोसायटी निवासियों की समस्याओ का समय रहते समाधान नही किया तो हमारी फिल्म के पहले सीन मै बिल्डर के चल रहे तमाम निर्माण कार्यों को बन्द कराना और उनके आफिसों पर तालाबंदी करने का है और फिल्म के दूसरे सीन को उसके बाद दर्शाया जायेगा।

इस अवसर पर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर विजय प्रताप सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष युवा विपिन खारी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य चंद्रपाल बंसल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बाबा रंगीलाल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह ,राष्ट्रीय संगठन मंत्री युवा नीरज भड़ाना, प्रदेश महासचिव एडवोकेट सतेन्दर खारी, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी,प्रदेश सचिव यामीन अंसारी, प्रदेश संगठन मन्त्री डाक्टर संजीव भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भडाना , पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संदीप भाटी, उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री संजीव भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा शकीना खान, जिलाध्यक्ष रामबीर भाटी, जिला अध्यक्ष मुरादाबाद फहीम मंसूरी, जिला अध्यक्ष राशिद अली मुरादाबाद, जिला उपाध्यक्ष राहुल भाटी , जिला उपाध्यक्ष महकार भाटी, जिला महासचिव अनूप भाटी जिला सचिव शाहिद, एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष खालिद, दादरी तहसील अध्यक्ष सोविदंर भाटी, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा आसमां, सोसायटी निवासी रामकुमार नागर, भगवंत सिंह, राहुल भाटी, केपी सिंह, कैप्टन धर्मपाल बैंसला, सतपाल राणा,अवधेश शर्मा, गौरव ठाकुर, एन बी जोशी, महीपाल सिंह, विरेन्द्र सिंह, दीपक नागर, धनपाल, सागर, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईजीएनसीए में आनंद कुमार स्वामी स्मारक व्याख्यान का आयोजन

नई दिल्ली। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के अभिलेखागार और संरक्षण प्रभाग ने 'तृतीय आनंद केंटिश कुमारस्वामी स्मारक व्याख्यान' का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय था- कुमारस्वामी के निबंध संग्रह 'आर्ट एंड स्वदेशी' से 'द मॉडर्न स्कूल ऑफ पेंटिंग' और शांतिनिकेतन में दृश्य अभिव्यक्ति के एक माध्यम के रूप में भित्ति चित्र- दोनों के बीच अंतर्सम्बंधों की संभावनाओं की खोज। व्याख्यान के वक्ता थे विश्वभारती, शांतिनिकेतन के कला भवन के प्राचार्य और कला इतिहास विभाग के प्रो. संजोय कुमार मल्लिक। इस अवसर पर प्रोफेसर पारुल दवे मुखर्जी द्वारा दिए गए 'द्वितीय आनंद केंटिश कुमारस्वामी स्मारक व्याख्यान' के मोनोग्राफ का विमोचन भी किया गया। मोनोग्राफ का शीर्षक है- 'विष्णुधर्मोत्तर पुराण के चित्रसूत्र में अनुकरण की समस्या के

माध्यम से भारतीय कला इतिहास के विउपनिवेशाकरण की ओर।'

डॉ. संजोय मल्लिक ने अपने व्याख्यान में कुमारस्वामी के लेखन और शांतिनिकेतन के भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली दृश्य अभिव्यक्तियों के बीच अंतर्सम्बन्ध की ओर ध्यान आकर्षित कराया, जिससे भारतीय कला के प्रारंभिक आधुनिक काल के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उन्होंने विभिन्न पुस्तकों का संदर्भ देते हुए आनंद कुमारस्वामी और शांतिनिकेतन के अंतर्सम्बंधों पर भी विस्तार से बात की।

इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ आर्ट एंड एस्थेटिक्स' की प्रो. पारुल दवे मुखर्जी, आईजीएनसीए के कंजर्वेशन प्रभाग के प्रमुख प्रो. अचल पंडया, जनपद सम्पदा के विभागाध्यक्ष प्रो. के. अनिल कुमार और पुरालेखापाल डॉ. कुमार संजय झा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन रघुराम एस.के. ने किया। यह व्याख्यान नई दिल्ली के आईजीएनसीए के उमंग कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया और इसमें कला और शैक्षणिक समुदाय के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सपा ने चलाया सदस्यता अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा शहर में कैम्प लगाकर लोगों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि समजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते उत्तर प्रदेश ने विकास कि नई उचाईयों को छुआ था और जनहित के लिए अनेक योजना चलाई थी। लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार में प्रदेश में विकास कार्य पूरी तरह से ठप्प है।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, जिला महासचिव सुधीर तोमर जी, शौकत अली चेची, मेहंदी हसन, इंजीनियर गजेंद्र यादव, विपिन सेन, गजब भाटी, सनी प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, शेखर प्रजापति, राहुल तंवर, अमर प्रजापति, प्रदीप शर्मा, अमरजीत सिंह, यशपाल प्रजापति, अजय भाटी आदि मौजूद रहे।

एक माह बाद दर्ज हुई दुकान में चोरी की वारदात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम भट्टा में चोरों ने मिठाई की दुकान मैं चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने करीब एक माह बाद चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम भट्टा निवासी अशोक कुमार शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह गांव में ही गूलर बाबा मंदिर के पास शिव स्वीट्स के नाम से दुकान चलाता है। 14 जुलाई की रात्रि को वह दुकान बंद कर अपने घर चला गया। अगली सुबह जब वह दुकान पर आया तो शटर में लगे ताले कटे हुए थे। जब वह दुकान के भीतर पहुंचा तो सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ मिला।

अशोक कुमार शर्मा के मुताबिक चोर उसकी दुकान से दो स्टील की भट्टी, तीन गैस सिलेंडर, इनवर्टर बैटरी, दो चूल्हे, पांच पेटी पेप्सी, मिठाई से भारी 9 ट्रे, जलेबी की कढ़ाई, भगोना, कुकर, दिलबाग गुटखा, बीड़ी, सिगरेट के पैकेट, कंप्यूटराइज्ड कांटा तथा 7000 चोरी कर ले गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

हादसे में 15 की...

बाबिना होटल के बगल में स्थित केशरवानी ट्रेवल्स से बस को बुक किया था। महाराष्ट्र के सभी यात्री इलाहाबाद से बस में सवार हुए थे। सभी यात्री पहले चित्रकूट गए फिर वहां से गोरखपुर होते हुए नेपाल गए थे। कुल तीन बस बुक कराई गई थी। पर्यटकों के दल में कुल 110 लोग थे। जिस बस की दुर्घटना हुई है वह 45 सीट की है। इसमें 42 यात्री सवार थे।

प्रॉपर्टी विवाद में...

जांच कर रही पुलिस ने सर्विलांस विधि और गोपनीय सूचना के आधार पर प्रवीन नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसने अंकुश की हत्या कर शव को थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में स्थित एक जंगल में फेंक दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसकी निशानदेही पर मृतक के शव को बरामद कर लिया है। उन्होंने बताया की हत्या में प्रयुक्त हथोड़ा और कार आदि भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

उप्र पुलिस आरक्षी...

रही परीक्षा का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2023 को जनपद में सकुशल सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कृत संकल्पित है। उन्होंने लाइव मॉनिटरिंग सेल की टीम को निर्देश दिए कि जनपद के 18 केंद्रों पर आयोजित हो रही परीक्षा की नियमित मॉनिटरिंग करते रहें और समय-समय पर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएं।

विभिन्न सड़क हादसों...

उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली एम्स ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। 11 अगस्त को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़तिों की शिकायत पर लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

वाहनों की नई सीरीज...

(प्रशासन) डा. सियाराम वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार नॉन फैन्सी नम्बरों के लिए 23 अगस्त से वाहन स्वामी परिवहन की वेबसाईट पर www.parivahan.gov.in पर जाकर दो पहिया वाहन के लिए रू0 1000/- एवं अन्य वाहनों के लिए रू0 5000/ निर्धारित शुल्क जमा कराकर नम्बर बुक कर सकते है। अधिक एवं विस्तृत जानकारी http://shasanadesh .up.nic.In पर लॉगिन कर प्राप्त की जा सकती है।

दो स्थानों पर...

कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता द्वारा उपलब्ध कराए गए बाइक नंबर के आधार पर बदमाश की तलाश की जा रही है।

वहीं थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली सिलिकॉन सिटी के बाहर रात्रि में घूम रहे सौरभ सिंह का मोबाइल फोन दो बाइक सवार लूट कर ले गए। सौरभ के मुताबिक वह अपनी सोसाइटी के बाहर टहल रहे थे और फोन पर अपनी बहन से बात कर रहे थे। इस दौरान बाइक सवार दो युवक उनका मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए।

एटीएम में फंसे....

का दोबारा फोन आया और उसने कहा कि वह अपने घर चला जाए, उसका कार्ड अगले दिन ही मशीन से निकल पाएगा। बाबूलाल के मुताबिक वह अपने घर चला आया। अगले दिन जब उसने अपनी बैंक स्टेटमेंट चेक कराई तो पता चला कि पांच बार में उसके एटीएम कार्ड से 50000 निकल गए। इस ट्रांजैक्शन का उसके पास कोई मैसेज भी नहीं आया। उसने इसकी शिकायत साइबर सेल व पुलिस से की।

थाना सेक्टर-20 प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

कार व 6 बाइक...

थाना फेस-2 में चौड़ा रघुनाथपुर निवासी राजू अली ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजू अली ने बताया कि वह नयागांव में नो पार्किंग में अपनी बाइक खडी कर खाना खाने चला गया। कुछ देर बाद जब वह लौटा तो उसकी बाइक गायब थी।

थाना सेक्टर 113 में सेक्टर 5 वैशाली गाजियाबाद निवासी जगबंधु राय ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि वह किसी कार्य से सेक्टर 76 आए थे। उन्होंने आम्रपाली प्रिंसले स्टेट सोसाइटी के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर दी और परिचित से मिलने चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक गायब थी।

मोबाइल टॉवरों...

प्राइवेट लिमिटेड के टेक्नीशियन नकुल यादव ने थाना सेक्टर-113 में टावर से आर आर यू व अन्य कीमती उपकरण चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। नकुल यादव ने बताया कि सेक्टर-77 के ग्रीन बेल्ट में लगे इंडस मोबाइल टावर से चोरों ने आरआरयू व अन्य उपकरण चोरी कर लिए। पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

वाहन सीज की कार्यवाही...

अपनी गाड़ी के कोर्ट से रिलीज ऑर्डर कर लिए। रिलीज ऑर्डर थाने में जमा करने के बाद गाड़ी ले जाते व सीज करते समय सागर भाटी ने गोपनीय तरीके से अलग-अलग वीडियो बनाई। दोनों वीडियो को एडिट कर रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

उप निरीक्षक का आरोप है कि सागर भाटी ने आरक्षी शकील पर पैसे देने का दवाब बनाया। उसके द्वारा इंकार करने पर उसकी छवि धूमिल करने के लिए आरोपी ने रील को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उप निरीक्षक की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ 66 ई आईटी एक्ट तथा धारा 308 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

एमिटी में डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्शन लीडरशिप असेंबली

'धन की मांग करने वाले ऑन लाइन गेम से दूर रहें'

नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 द्वारा एमिटी विश्वविद्यालय में डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्शन लीडरशिप असेंबली ''युवा विराज्य-डीआईएलए 2024'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 40 विद्यालयों के 700 से अधिक छात्रों सहित शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वर्ष 2024-2025 के लिए छात्रा गौरी पांडेय को डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त किया गया।

डिस्ट्रिक्ट गर्वनर रोटेरियन प्रशांत राज शर्मा ने कहा कि आज इस ''युवा विराज्य -डीआईएलए 2024 कार्यक्रम में हमारे सामने छात्रों के रूप में सैकड़ों विराज्य यानी चमकते हुए सूर्य बैठे है। जो अपनी कम उम्र में समाज व देश के भले के लिए कार्य कर रहे है। हमें आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि आप जैसे युवा ही विकसित भारत और विसंगतियों मुक्त समाज का निर्माण करेगें। रोटेरियन प्रशांत राज शर्मा ने कहा कि आप जीवन में किस प्रकार अन्य लोगों की

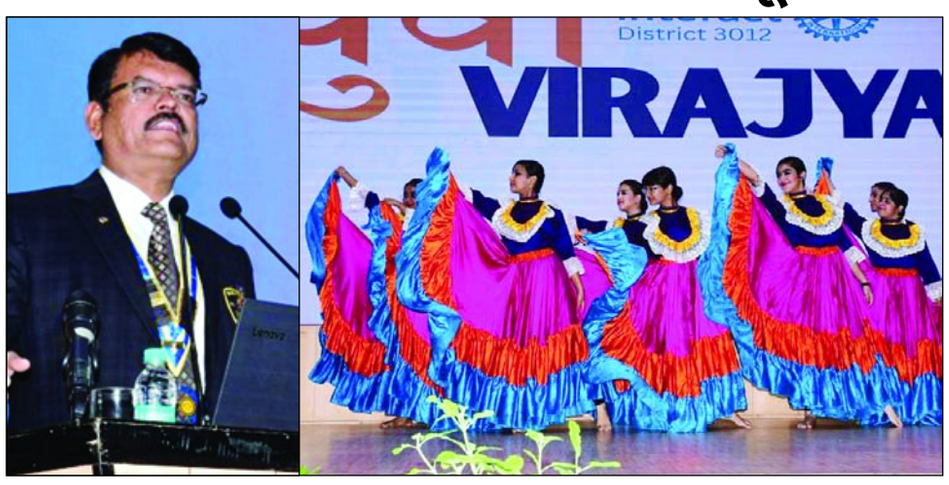

सहायता करते है यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है इसलिए जीवन का लक्ष्य निर्धारित करे और उसे प्राप्त करने के लिए मेहनत करें।

डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्शन लीडरशिप असेंबली चेयर रोटेरियन अजय चौहान ने कहा कि रोटरी हमारी भावी पीढ़ियों को समाज में नेतृत्वकारी भूमिकांए निभाने मे सहायता करता है।

कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान के अंर्तगत साइबर विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के संर्दभ में जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में छात्र जानकारी के अभाव में कई बार साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते है या साइबर अपराध कर बैठते है ऐसे में उन्हे अपने डिजिटल डायट (आहार) के बारे में जानना चाहिए। सोशियल मिडिया पर उपलब्ध सभी सामग्री अच्छी नही होती और आप अपने मस्तिष्क को कौन सा डिजिटल डायट दे रहे उसको समझना आवश्यक है। गेमिंग बुरा नही है लेकिन उसकी लत बुरी है और जिन खेलों में धन की मांग हो उनसे दूर रहे। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट चेयर रोटेरियन सचिन वत्स ने सभी का स्वागत किया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
FUTURE IS HERE
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सैक्टर-ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर-201308 (उ0प्र0)
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक: वाई.ई.ए./भूलेख/106/2024 दिनांक: 21/08/2024

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि का यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त प्रतिकर का वितरण किया जाना प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	परियोजना का नाम	खसरा नम्बरान
दनकौर	सैक्टर-17ए	2, 9, 6, 8, 10, 11, 21, 30, 31, 32, 33, 38, 68, 69, 70, 73, 74, 75, 76, 77, 94, 96, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 153, 154, 168, 171, 174, 175, 176, 177, 183, 185, 186, 187, 190, 191, 195, 197, 198, 199, 262, 266, 268, 268/2, 269, 272, 273, 291, 292, 294, 296, 298, 299, 300, 301/1, 301/2, 301/3, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 318, 905, 906, 908, 912, 914, 915, 916, 917, 919, 920, 934, 935, 936, 938, 938M, 939

उक्त भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण अपर जिलाधिकारी (भू0अ0) जनपद गौतमबुद्धनगर से किया जाना है। अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर अपर जिलाधिकारी (भू0अ0) जनपद गौतमबुद्धनगर कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफ़ोख्त से पूर्णत: सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

यूक्रेनी सेना की घुसपैठ की कोशिश नाकाम

मॉस्को। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ब्रांस्क में यूक्रेनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया। रुस के क्षेत्रीय गवर्नर ने इसकी जानकारी दी है। गवर्नर अलेक्जेंडर ने कहा कि रूस ने ब्रांस्क क्षेत्र के क्लिमोव्स्की में यूक्रेनी सेना की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में गवर्नर के हवाले से बताया कि घुसपैठ के दौरान यूक्रेन को नुकसान पहुंचा है। वहां अब स्थिति स्थिर है और क्षेत्र पर रुस का नियंत्रण है। इस बीच रूस ने यूक्रेनी सेना के हमलों के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य समूह बनाए हैं। इससे पहले, यूक्रेन ने छह अगस्त को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में एक सैन्य अभियान शुरू किया था। उन्होंने दावा किया था कि उसने 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। वहीं, यूक्रेन के दावे पर रूस के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन के सैनिक, रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अपनी स्थिति को बदल रहे हैं, ताकि एक नए हमले को अंजाम दे सके। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुख्य सैन्य-राजनीतिक निदेशालय के उप प्रमुख अप्टी अलाउदिनोव ने कहा कि रूसी सेना स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए हुए है।

खालिदा जिया की घर वापसी पर स्वागत

ढाका । बांग्लादेश में सियासी उठा-पटक के इस दौर में बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की घर वापसी हुई है। गुलशनमार्ग स्थित आवास फिरोजा में खालिदा का जोरदार स्वागत किया गया है। बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी ने पूर्व पीएम शेख हसीना को लेकर भारत से एक अहम मांग की है। बीएनपी ने कहा कि भारत को शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेज देना चाहिए, ताकी उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। बीएनपी का दावा है कि हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में हत्या सहित कई मामलों में मुकदमे दर्ज है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिर हुसैन भी इस तरह की बात पहले कर चुके हैं। बांग्लादेश में चल रहा है सियासी उठा पटक के बीच बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया लंबे इलाज के बाद घर वापस आ गई है। वे गुलशनमार्ग स्थित आवास फिरोजा पहुंची हैं। इससे पहले शाम करीब 7:00 वह एवर केयर अस्पताल से अपने घर के लिए रवाना हुई थी।

फ्लाइट में बम की धमकी के बाद हड़कंप

तिरुवनंतपुरम। 135 यात्रियों को लेकर जा जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मुंबई से तिरुवनंतपुरम जा रही फ्लाइट को ये धमकी मिलने के बाद तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पूर्ण रूप से इमरजेंसी घोषित कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट सुबह करीब 8 बजे एयरपोर्ट पर उतरी और उसे आइसोलेशन बे में ले जाया गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों को फ्लाइट से निकाला गया है। सूत्रों ने बताया कि विमान के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के पास पहुंचते ही पायलट ने बम की धमकी की बात बताई। अधिकारी ने बताया कि विमान में 135 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि धमकी की उत्पत्ति और अन्य जानकारी का इंतजार है।

डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन धरना जारी, मांगें पूरी होने का कर रहे इंतजार

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद से ही देशभर के डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा है। ये मामला बीते कई दिनों से गमार्या है। देशभर में रेजिडेंट डॉक्टर इस घटना के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। वहीं दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को भी जारी रहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों से काम पर लौटने का अनुरोध किया था। विरोध प्रदर्शन के चलते दिल्ली के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी

तरह प्रभावित हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले मंगलवार को इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा देने के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया। वाइस एडमिरल आरती सरीन की अध्यक्षता वाली दस सदस्यीय टास्क फोर्स को तीन सप्ताह के अंदर अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। हालाँकि, कुछ डॉक्टर्स एसोसिएशनों ने टास्क फोर्स की संरचना पर असंतोष जताया है। उन्होंने कहा कि हम टास्क फोर्स के सदस्यों के चयन के आधार को नहीं समझ पा रहे हैं। इसमें रेजिडेंट डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए था, जिसकी हम वकालत करते रहे हैं। इसमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसरों का भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए, क्योंकि हिंसा की घटनाएं मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों में होती हैं, निजी अस्पतालों में नहीं। इस बीच, अखिल भारतीय चिकित्सा महासंघ ने एनटीएफ की सिफारिशों के लागू होने तक डॉक्टरों के लिए अंतरिम सुरक्षा की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

नीट के 3000 बच्चों को मिलेगा सुप्रीम कोर्ट के फैसले का लाभ

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला निरस्त

एजेंसी

भोपाल । सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश नीट यूजी की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2023-24 के लिए आरक्षित सीटों के आवंटन में जो त्रुटि की गई थी। उस पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ का फैसला निरस्त करते हुए जो फैसला दिया है। उससे आरक्षित वर्ग के 3000 छात्रों को इसका फायदा होगा। वर्ष 2023-24 के शैक्षिक सत्र से जुड़ा हुआ मामला है। सामान्य श्रेणी के कोटे में आरक्षित श्रेणी के छात्रों को प्रवेश दिए जाने को सुप्रीम कोर्ट ने योग्यता के आधार पर प्रवेश माना है। राज्य सरकार इसे आरक्षित श्रेणी में गिन रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया को गलत करार दिया है। अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। आरक्षित श्रेणी का छात्र यदि योग्यता के आधार पर सामान्य श्रेणी में प्रवेश पाता है। तो वह सामान्य श्रेणी में प्रवेश का पात्र होता है। लेकिन जो सीट आरक्षित वर्ग के लिए सुरक्षित है। उन्हें आरक्षित वर्ग के कोटे से ही आवंटन किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, छात्रों को उनके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है। अगले शैक्षणिक वर्ष में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार आरक्षण नियमों को विधिवत रूप से लागू किया जाए। याचिकाकर्ता छात्रों को 2024-25 में प्रवेश देने के आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। मध्य प्रदेश के डायरेक्टर चिकित्सा शिक्षा डॉ अरुण श्रीवास्तव ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से साथ छात्रों का प्रवेश उनके कट ऑफ के अनुसार दिया जा रहा है।

साइको एनैलटिक टेस्ट

संजय रॉय जानवर प्रवृत्ति वाला यौन विकृत व्यक्ति

- घटना को अंजाम देने पहले ही वार्ड में छिपा

एजेंसी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म और हत्या मामले में आरोपी पुलिस वॉलनटिअर संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। संजय की सीबीआई ने साइको एनैलटिक प्रोफाइल टेस्ट कराया। इसके जो परिणाम सामने आए हैं वह रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। संजय रॉय जानवर प्रवृत्ति वाला यौन विकृत व्यक्ति है जबकि देखने में वह एक साधारण व्यक्ति लगता है। उससे जानने वाले उसे बहुत ही सीधा व्यक्ति समझते हैं। संजय रॉय से मनोविश्लेषकों की टीम ने उससे पूछताछ की तो वे एक ऐसे शख्स से परिचित हुए जो उसके अंदर छिपा

हुआ था। उसने बिना किसी डर व पश्चाताप के घटना के दिन के बारे में बताया। सीबीआई जांच में शामिल विशेषज्ञों ने सीबीआई को दिए उसके बयानों को भी स्कैन किया ताकि पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक निष्कर्षों से जोड़ा जा सके। सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि अपराध स्थल पर संजय रॉय के मौजूद रहने की पुष्टि तकनीकी और वैज्ञानिक सबूतों से हुई है, लेकिन वे डीएनए परीक्षणों के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। सीबीआई ने जब मामले को अपने हाथ में लिया, उससे पहले, पुलिस ने कहा था कि पीड़ित के नाखूनों के नीचे पाए गए खून और त्वचा के निशान संजय रॉय के हाथों पर लगी चोटों से मेल खाते हैं। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि आरजी कर से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में संजय रॉय 8 अगस्त को 11 बजे के आसपास चेस्ट डिपार्टमेंट वॉर्ड के पास दिखाई दिया। उस समय ट्रेनी डॉक्टर चार अन्य जूनियर डॉक्टरों के साथ वॉर्ड में थी। संजय रॉय के जाने से पहले कुछ देर तक उन्हें घूरते हुए देखा गया। पूछताछ के दौरान संजय रॉय ने दावा किया कि वह उस शाम पहले ही वॉर्ड में आ गया था। सीबीआई के मुताबिक पीड़िता अन्य जूनियर डॉक्टरों के साथ डिनर के लिए वार्ड से बाहर निकली और 9 अगस्त को रात एक बजे के बाद सेमिनार हॉल में लौटी। एक जूनियर डॉक्टर सुबह 2.30 बजे हॉल में आया और पीड़िता ने सोने से पहले उससे कुछ बात की। सीसीटीवी फुटेज में रॉय को सुबह 4 बजे अस्पताल परिसर में फिर से प्रवेश करते देखा गया है।

ममता सरकार ने तीन अधिकारियों को हटाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों की मांग को लेकर ममता सरकार ने अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया है। राज्य के स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम ने कहा कि डॉक्टरों की मांग पर आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष को कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य पद से भी हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य द्वारा संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में तबादला कर दिया है। बुधवार को जारी आदेश में आरजी कर अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक एवं उप प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) बुलबुल मुखोपाध्याय को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया और उनकी जगह सप्तर्षि चटर्जी को नियुक्त कर दिया।

दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता के माल्टी कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या जिला प्रशासन ने सपा नेता और दुष्कर्म के आरोपी मोइद खान की बेकरी को गिराने के कुछ दिनों बाद उन पर कड़ी कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने गुरुवार को उनके शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के एक तिहाई हिस्से को गिरा दिया है जो अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बना था। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों ने पहले कहा था कि मोइद के स्वामित्व वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया था; इसलिए, कॉम्प्लेक्स का एक तिहाई हिस्सा गिरा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉम्प्लेक्स खाली कराया और बुलडोजर से अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इस बीच, मामले में एक और बड़ी घटना में, अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसे अब केजीएमयू, लखनऊ में गर्भपात कराने के बाद उसके परिवार के साथ भेज दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने के लिए महिला कांस्टेबलों सहित 30 से ज्यादा सशस्त्र पुलिस कर्मियों को 24 घंटे तैनात किया गया है। इससे पहले सीएम योगी ने दुष्कर्म और छेड़खानी की कुछ घटनाओं में समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों की भूमिका की ओर इशारा करते हुए तंज कसा कि अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज की घटना ही सपा का नवाब ब्रांड है, यही सपा की असली पहचान है।

पाकिस्तान में स्कूल वैन पर बरसाई गोलियां, दो बच्चों की मौत, पांच घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़ा हमला हुआ है। हमलावरों ने एक स्कूल वैन को अपना निशाना बनाया है। हमलावरों ने स्कूल वैन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटक के ढेरी कोट में एक स्कूल वैन पर हमलावरों ने गोलियां बरसाई जिसमें कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। हमले में घायल बच्चों की उम्र पांच से 12 साल है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले में मारे गए बच्चों में एक नौ साल का और एक 10 साल का बच्चा शामिल है। इस हमले में मारी गई अरवा फातिमा और रमीन शफीक दोनों लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के मद्देनजर पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने रावलपिंडी के कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी है। सीएम मरियम ने भी हमले में दो बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताया है। सीएम मरियम ने संबंधित अधिकारियों को उन बच्चों को बेहतर इलाज मुहैया करने का भी निर्देश दिया, जो इस हमले में घायल हुए हैं। रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि स्कूल वैन पर हमला ड्राइवर की निजी दुश्मनी का नतीजा था।

नेपाल सीमा के पास एक तस्कर गिरफ्तार

बहराइच । उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में नेपाल सीमा से सटे रूपईडीहा क्षेत्र में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर करीब 23 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की। उप सेनानायक दिलीप कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सशस्त्र सीमा बल और पुलिस की संयुक्त टीम ने गंगापुर गांव में एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर रोका। उसकी तलाशी ली गई उसके पास से पॉलीथीन में लिपटी 34 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 23 लाख रुपये आंकी गई है।

बस हादसे में 28 शिया जायरीनों की मौत, 23 घायल

एजेंसी

तेहरान । पाकिस्तान से शिया जायरीनों का एक जत्था अरबईन के लिए इराक के कर्बला जा रहा था। ईरान के रास्ते उन्हें पहुंचना था लेकिन आधी रात ईरान में उनकी बस हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में 28 जायरीनों की मौत हो गई, जबकि 23 गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 35 लोगों के मारे जाने की बात सामने आई है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा हाल ही में ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत में हुआ। ईरान की एक सरकारी एजेंसी के मुताबिक इमरजेंसी एंबुलेंस सेवा ने घायलों को तुरंत

अस्पताल पहुंचाया। एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि 14 को गंभीर चोटें आई हैं। बस में कुल 51 लोग सवार थे और ये सभी पाकिस्तान के रहने वाले हैं। ईरान के सरकारी न्यूज चैनल ने बताया कि बस का ब्रेक फेल होने की वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ। मौके पर चीख पुकार मच गई। तत्काल सभी को इमरजेंसी में एडमिट कराया गया। पाकिस्तान में स्थानीय शिया नेता कमर अब्बास ने हादसे में कम से कम 35 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है। अब्बास ने कहा कि बस में पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत के लरकाना शहर के जायरीन सवार थे। पाकिस्तान सरकार की घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अरबईन एक अनुष्ठान है, जिसकी इस्लाम में काफी मान्यता है। कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मुहम्मद के नवासे हुसैन की शहादत के 40वें दिन उनकी याद में यह मनाया जाता है। हुसैन को पैगंबर मुहम्मद का असली उत्तराधिकारी माना जाता है। बताया जाता है कि जब हुसैन ने उमय्यद शासक यजीद फर्?ट के साथ आने से इनकार कर दिया था, तब कर्बला में लड़ाई छिड़ गई, जिसमें हुसैन और उनके कुछ साथी शहीद हो गए। अरबईन के लिए हर साल दुनियाभर के करोड़ों जायरीन इराक के कर्बला में एकत्र होते हैं।

यूक्रेन ने राजधानी मॉस्कों में जमकर बरसाए गोले-बारूद

एजेंसी

मॉस्को । रूस-यूक्रेन जंग में बीते ढाई साल से बैकफुट पर नजर आ रहे वोलोदिमीर जेलेंस्की अब फ्रंट-फुट पर आकर पुतिन एंड कंपनी को करारा जवाब दे रहे हैं। करीब एक सप्?ताह पहले रूस में घुसकर हमले करने के बाद अब यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को में बमबारी की। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। हालांकि साथ ही यह भी दावा किया गया कि उनके सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया है। यूक्रेन की

कोशिश है कि वो ज्यादा से ज्यादा रूस की जमीन पर अपना कब्?जा कर ले, ताकि जब बात आपसी समझौते की हो तो वो रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी जमीन को वापस पा सके। विशेषज्ञ का कहना है कि इसी कारण अब यूक्रेन अमेरिका सहित तमाम अन्?य पश्चिमी देशों की मदद से रूस पर हमलावर हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए। दावा किया गया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए जबकि 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा ?कि ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी।

ओमान में भारतीयों को देना पड़ेगा इनकम टैक्स

दुबई । खाड़ी के देशों में अब इनकम टैक्स प्रवासियों से अगले साल से लिया जाएगा। बड़ी संख्या में ओमान में भारतीय कामगार और पेशेवर, मजदूरी और कारोबार के काम में लगे हुए हैं। ओमान सरकार अगले साल से इनकम टैक्स लागू करने जा रही है। ओमान खाड़ी का पहला देश बन गया है। जो भारतीयों से इनकम टैक्स वसूल करेगा। ओमान की सरकार ने जो प्रस्ताव किया है। उसके अनुसार 84 लाख रुपए वार्षिक कमाने वालों को 5 से 9 फीसदी तक इनकम टैक्स देना होगा। इस टैक्स में हर साल वृद्धि भी प्रस्तावित की गई है। माना जा रहा है, ओमान में रहने वाले 6 लाख भारतीय इनकम टैक्स से प्रभावित होंगे।

कैंची हुई गायब तो 36 उड़ानें हुईं रद्द

एजेंसी

होक्काइडो । कैंची लेकर कोई हवाई जहाज से नहीं जा सकता, ये आपने सुना होगा। लेकिन जापान में एक अनोखा मामला आया है। वहां न्यू चितोशे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में एक स्टोर से कैंची गायब होने के बाद अफरा-तफरी मच गई। इसका असर 236 से अधिक उड़ानों पर पड़ा। इतना ही नहीं 36 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। सुबह 10 बजे होक्काइदो के न्यू चिटोज एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच चल रही थी। तभी पता चला कि वहां एक स्टोर से कैंची गायब हो गई है। इसके बाद सिक्योरिटी अलर्ट हो गया। अलार्म बजने लगा। यात्रियों की सिक्योरिटी जांच रोक दी गई।

देखते ही देखते डिपार्चर लाउंज में मौजूद सभी पैसेंजर्स की दोबारा चेकिंग की बात कही गई। इससे वहां लंबी कतारें लग गईं। नाराज पैसेंजर्स ने जमकर हंगामा किया। लेकिन अफसरों ने दो टूक कहा कि जब तक जांच नहीं हो जाती है, कोई भी यहां से भाग नहीं सकता। सुरक्षा अधिकारियों ने कैंची को काफी ढूंढा। एयरपोर्ट का कोना कोना छान मारा। लेकिन कैंची नहीं मिली। इसके बाद हवाई सेवाएं फिर बहाल कर दी गईं। लेकिन अगले ही दिन वह कैंची उसी स्टोर में फिर मिल गई। इससे जापान के वार्षिक बोन उत्सव मना कर घर लौट रहे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि न्यू चितोशे एयरपोर्ट जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है।

महिलाओं और लड़कियों पर दुनिया में सर्वाधिक हिंसा करने वाला देश है फिजी

एजेंसी

सुवा। फिजी में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा की दर दुनिया में सबसे अधिक है, जहां तीन में से दो महिलाओं को अपने जीवनकाल में शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फिजी की महिला, बाल और सामाजिक सुरक्षा मंत्री लिंडा तबुया ने फिजी के मुख्य द्वीप पर नाडी शहर में एक उच्च स्तरीय संवाद में तबुया ने कहा कि पिछले एक दशक में स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत और महत्वाकांक्षी प्रतिक्रिया का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ

हिंसा को रोकने के लिए फिजी राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) 2023-2028 में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। जून 2023 में शुरू की गई यह योजना प्रशांत द्वीप देश में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए एक व्यापक, समावेशी और साक्ष्य-आधारित नजरिया प्रदान करती है। यह दिल दहला देने वाला है, यह वास्तव में एक दिल दहला देने वाली वास्तविकता है जिसने दादी, चाची, माताओं, बहनों और निश्चित रूप से हमारे परिवारों को प्रभावित किया है और प्रभावित करना जारी रखा है। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि इस डीप डाइव हाई-लेवल डायलॉग ने पारंपरिक नेताओं, प्रांतीय अध्यक्षों, महिलाओं और युवा नेताओं को एक साथ लाकर चर्चा की है कि पारंपरिक संस्थाओं में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने में वे कैसे मदद कर सकती हैं। मंत्री लिंडा तबुया ने आगे बताया कि यह योजना हिंसा के मूल कारणों को दूर करने और समाज के सभी पहलुओं में दीर्घकालिक, सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारंपरिक संस्थानों के नेताओं को शामिल करके, यह संवाद महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने में वास्तविक प्रगति करने के लिए महत्वपूर्ण सामुदायिक हस्तियों के प्रभाव का उपयोग करना चाहता है। उनका कहना है कि अगले कुछ दिनों में होने वाली बातचीत न केवल हिंसा के मूल कारणों को समझने के लिए बल्कि उन गहरे सांस्कृतिक मानदंडों को उजागर करने के लिए भी महत्वपूर्ण है जिन्हें चुनौती दी जानी चाहिए।

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बढ़ेंगे हर साल पदों की संख्या

एजेंसी

नई दिल्ली । लैटरल भरती को लेकर जिस तरह का विरोध देशभर में हुआ है। उसको देखते हुए अब केंद्र सरकार (यूपीएससी) संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से रिक्त पदों की भर्ती के लिए मुहिम चलाने की सोच रही है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के पद रिक्त हैं। सरकार लैटरल भरती से खाली पदों को भरना चाहती थी। आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को अब अपने कदम पीछे हटाने पड़ रहे हैं। राज्य सरकारों के पास भी भारतीय सेवा से जुड़े हुए अधिकारियों की कमी बनी हुई है। राज्यों में नए-नए जिले बने हैं। आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के पद भी बढ़ने पर विचार हो रहा है। राज्यों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की कमी होने के कारण राज्य, केंद्र की प्रतिनियुक्ति पर कैडर के अधिकारियों को केंद्र में नहीं भेज पा रहे हैं। 2012 के बाद से केंद्र सरकार नेभारतीय प्रशासनिक सेवा के पदों का पुनरीक्षण भी नहीं किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने 6 साल पहले लैटरल एंट्री के माध्यम से भरतियाँ शुरू की थी। अभी तक 200 पदों की भर्ती की जा चुकी है। 2014 में केंद्र सरकार की प्रति नियुक्ति पर 14 फीसदी पद भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के थे।

खास खबर

बाबर बल्लेबाजी में फिर असफल रहे

रावलपिंडी । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम एक बार फिर बल्लेबाजी में विफल रहे। बाबर अपनी घरेलू धरती पर बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अपना खाता भी नहीं खोल पाये बाबर को शॉरिफुल इस्लाम की गेंद पर विकेटकीपर लिटन दास ने कैच किया। इस मैच में बाबर से उम्मीद थी कि वह अपने 4000 टेस्ट रन पूरे करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ।
टीम बांग्लादेश ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अब्दुल्लाह शफीक केवल 2 रन ही बना पाये। इसके बाद कप्तान शान मसूद भी केवल 6 रन ही बना पाये। इसके बाद बाबर उतरे पर वह भी दो गेंद खेलकर आउट हो गये। बाबर ने इस मैच से पहले टेस्ट क्रिकेट में 3898 रन बनाये हैं। ऐसे में उन्हें अपने 4000 रन पूरे करने के लिए अभी 102 रन चाहिये। अब देखना है कि वह दूसरी पारी में ये रन बना पाते हैं या नहीं। पाक टीम अपनी धरती पर 20 महीने बाद टेस्ट मैच खेल रही है।

पुरानी दिल्ली 6 ने पहली जीत दर्ज की

नई दिल्ली । अर्पित राणा की शानदार पारी से पुरानी दिल्ली 6 ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 7 विकेट से हरा दिया। इस प्रकार दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में पुरानी दिल्ली 6 ने अपना पहला मुकाबला जीता। इस मैच में अर्पित ने लगातार दूसरी बार नाबाद अर्धशतक लगाया। इस मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 141 रन बनाए। एकांश डोबाल ने 6 छक्के लगाकर सबसे अधिक 34 रन बनाए। कप्तान ऋतिक ने 28 रन की पारी खेली। वहीं पुरानी दिल्ली 6 की ओर से कप्तान लक्ष्मण ने 3 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने अच्छी शुरूआत की। अर्पित ने तेजी से खेलते हुए 9 चौके लगाकर 43 गेंद में 56 रन बनाए। उन्हें वंश बेदी और सनत का भी अच्छा साथ मिला. वंश 30 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान ऋतिक ने 2 और दीपक ने एक-एक विकेट लिय। इस प्रकार पुरानी दिल्ली 6 ने केवल 17.1 ओवर में ही ये मुकाबला जीत लिया।

श्रीजेश को मिलेगा 2 करोड़ रुपए का इनाम

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने घोषणा की है कि भारतीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में एक दीवार की तरह खड़े होकर गोल होने से रोके थे। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में श्रीजेश के खेल में योगदान को देखते हुए ये इनाम दिये जाने पर फैसला लिया गया। इसमें कहा गया, ह्यपेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। श्रीजेश दो दशक से भारतीय टीम के गोलकीपर हैं। उन्होंने कई अवसरों पर कप्तानी भी की है।

साईनाथ पारधी ने जीता कांस्य, चार भारतीय महिला पहलवान फाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। साईनाथ पारधी ने बुधवार को जॉर्डन के अम्मान में अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए दूसरा पदक जीता, जब उन्होंने पुरुषों के 51 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में कजाकिस्तान के येरासिल मुसन पर 3-1 से जीत के साथ कांस्य हासिल किया। पारधी ने रेपेचेज राउंड में यूएसए की मुनारेटो डोमेनिक माइकल को 7-1 से हराकर पदक मुकाबले में प्रवेश किया था।
43 किग्रा वर्ग में अदिति कुमारी ने अलेक्जेंड्रा बेरेजोवस्काया को 8-

2 से हराकर स्वर्ण पदक मैच में प्रवेश किया और अब उनका सामना ग्रीस की मारिया एल गिका से होगा। अदिति ने यूक्रेन की कैरोलिन शपरिक (10-0) और मैरिएम मोहम्मद अब्देलाल (4-2) के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए नॉकआउट में प्रवेश किया। 57 किग्रा के सेमीफाइनल में नेहा ने कजाकिस्तान की अन्ना स्ट्रेटन को 8-4 से हराया और अब उनका मुकाबला जापान की सो त्सुत्सुई से होगा। नेहा ने बिना कोई अंक गंवाए सेमीफाइनल में जगह बनाई क्योंकि उन्होंने ग्रीक प्रतिद्वंद्वी मैरी मनी को पिन किया और फिर जॉर्जिया की मिरांडा कपानाडेज के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। ??
65 किग्रा वर्ग में पुलकित ने मिस्र की मरम इब्राहिम एली पर 3-0 से जीत हासिल की और फाइनल में डारिया फ्रोलोवा से भिड़ेंगी। इससे पहले पुलकित ने चीन के लिंग कै को 'विन बाय फॉल' के लिए हराया और उसके बाद जुलियाना कैटानजारो के खिलाफ 9-0 की शानदार जीत दर्ज की।

काउंटी चैंपियनशिप 2025 में ससेक्स के लिए नहीं खेलेंगे चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अगले साल काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि इंग्लिश क्लब ने उन्हें हटाकर आस्ट्रेलियाई डेनियल ह्यूजेस की सेवाएं बरकरार रखने का फैसला किया है। बाएं हाथ के ह्यूजेस अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने यह भी घोषणा की कि वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सेल्स चैंपियनशिप के पहले ब्लॉक में खेलेंगे। पुजारा ने ह्यूजेस के आने से पहले पहले सात चैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में कहा, ह्यचेतेश्वर की जगह लेना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन डैन ने शानदार तरीके से काम किया है और हम सभी खुश हैं कि वह अगले पूरे सत्र के लिए वापस आ जाएंगे। ह्यूजेस इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप स्टेज में 43.07 की औसत से 560 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें पाँच अर्द्धशतक और नाबाद 96 रन का उच्चतम स्कोर शामिल था। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 4 सितंबर को घरेलू मैदान पर लंकाशायर लाइटनिंग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में ससेक्स की मदद की।

धनंजय और मिलन की बल्लेबाजी से श्रीलंका ने बनाये 236 रन

एजेंसी

मैनचेस्टर । कप्तान धनंजय डिसिल्वा और मिलन रत्नायके की शानदार बल्लेबाजी से श्रीलंका ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 236 रन बनाए। डिसिल्वा ने 74 बनाये और मिलन ने अपने डेब्यू मैच में ही 72 रन बनाये। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना विकेट खोए 22 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल खत्म होने तक ओपनर बेन डकेट 13 और डैन लॉरेंस 9 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते

हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मेजबान इंग्लैंड ने पहले ही सत्र से अपना शिकंजा कस दिया है। मेहमान टीम श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लंच तक ही अपने पांच विकेट खो दिये। उस समय लंकाई टीम का स्कोर केवल 80 रन था। श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने 2 रन ही बना पाये। इसके बाद निशान मदुशंका भी 4 रन पर ही आउट हो गये। ओवर में एंजेलो मैथ्यूज भी आउट हो गये। पहले सत्र के दूसरे घंटे में मार्क वुड और शोएब बशीर ने एक-एक विकेट लिए। वुड ने कुसल मेंडिस को 24 रन पर ही पेवेलियन
भेज दिया। इसके बाद दिनेश चांडीमल भी 17 रन बनाकर आउट हो गये। इससे श्रीलंका का स्कोर 5 विकेट पर 72 रन पहुंच गया। इस प्रकार खेल का पहला सत्र इंग्लैंड के गेंदबाजों के नाम रहा।
इसके बाद धनंजय और रत्नायके ने पारी संभाली। श्रीलंका ने एक समय महज 113 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इन दोनों ने टीम को 176 रन तक पहुंचाया। कुसल मेंडिस 24, कामिंडु मेंडिस 12 और प्रभात जयसूर्या 10 रन बनाकर आउट हुए।

पुराने दोस्तों के साथ समय बिताते दिखे धोनी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल अपने दोस्तों के साथ समय बिताते हुए दिख रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें धोनी अपने पुराने दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर झारखंड के रांची शहर की है। इसमें धोनी और उनके दोस्त एक ढ़ाबे में खाना खाते और बातें करते हुए देख रहे हैं। इस तस्वीर के बारे में अंदाजा लगाया गया है कि वह अपने कुछ खास और पुराने दोस्तों के साथ ढाबे पहुंचे और वहां बिलकुल देसी अंदाज में मौज मस्ती की। तस्वीर में धोनी के अलावा उनके पुराने साथी भी दिख रहे हैं।

धोनी ने वहां पहुंचे एक बच्चे को भी ऑटोग्राफ दिया। धोनी की ये सादगी देखकर उनके प्रशंसक और भी उत्साहित हैं। धोनी बाइक चलाने के भी काफी शौकीन हैं। उन्हें कुछ दिन पहले ही रांची में बाइक चलाते हुए भी देखा गया था। धोनी के प्रशंसक भी जानते हैं कि उन्हें बाइक चलाना काफी अच्छा लगता है। धोनी आजकल केवल आईपीएल में ही खेलते हैं और इसके बाद रांची में ही अपने घर पर रहते हैं। धोनी के पास फार्म हाउस और खेती की जमीन भी है। जब भी धोनी रांची दौरे पर आते हैं तो वह परिवार के साथ अपने फार्म हाउस में जाकर जरुर रहते हैं।

पैरालंपिक खेलों के लिए पेरिस रवाना हुए चार पैरा-एथलीट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल 28 अगस्त से शुरू हो रहे पैरालंपिक खेलों के लिए पेरिस रवाना हो गया है। इस पहले दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पधाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। इन एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी गये हैं। इससे इस दल को पेरिस में स्थानीय हालातों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस बार इन खेलों में 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पधाओं में भाग लेगा। यह अब तक भारत का सबसे बड़ा दल है।
रवाना होने के समय मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, ह्यहमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान काफी अभ्यास किया है। अब समय से पहले वहां पहुंचकर हम पेरिस के हालातों के अनुसार ढ़लने का प्रयास करेंगे। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी। वहीं स्वामी ने कहा, ह्यपैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी सफल होगी।

इशान अभी आईपीएल पर ही ध्यान दें : बासित

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि विकेकीपर बल्लेबाज इशान किशन को फिलहाल आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। बासित के अनुसार अभी इशात को भारतीय टीम में जगह मिलने की उम्मीद नजर नहीं आती है। इशान इस साल शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। टीम इंडिया में वापसी के लिए वह अभी बूची बाबू इंविटेशन टूनार्मेंट खेल रहे हैं। इसमें उन्होंने शतक लगया है पर जिस प्रकार भारतीय टीम में जगह के लिए मुकाबला है उसको देखने हुए उनकी उम्मीदें कम हैं।
बासित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी तक इशान की भारतीय टीम में वापसी नहीं हो सकती। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनका जगह मिलने की संभावना नजर नहीं आती है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज जितनी ही अहमः स्टार्क

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी एशेज की तरह ही एक महत्वपूर्ण सीरीज है। स्टार्क के अनुसार इस साल के अंत में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में उनकी टीम जीत के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेगी। इस सीरीज में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह सीरीज भी एक प्रकार से प्रतिष्ठित एशेज जैसी ही हो जाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली इस सीरीज में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

स्टार्क ने कहा, ह्यइस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे अब यह एशेज श्रृंखला के समान ही महत्वपूर्ण हो गई है। ऑस्ट्रेलिया पिछले एक दशक से ही ये ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार सीरीज जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क के अनुसार उनकी टीम को इस बार केवल जीत नहीं बल्कि क्लीन स्वीप की जरुरत है।
उन्होंने कहा, ह्यहम अपनी धरती पर हर मैच जीतना चाहते हैं पर हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, ह्यभारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर कायम है। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक सीरीज रहेगी। स्टार्क ने कहा है कि अभी उनका टेस्ट प्रारुप से संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह खेलते रहेंगे। वह अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा पर रहेंगी नजरें

एजेंसी

लुसाने । भारत के स्टार भाला फेंक खिलाडी नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार यहां लुसाने डायमंड लीग में उतरेंगे। इससें उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर 13 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह बनाना रहेगा। पेरिस ओलंपिक में नीरज को रजत पदक ही मिल पाया था। ऐसे में वह अपना प्रदर्शन यहां और बेहतर करना चाहेंगे। ओलंपिक पेरिस में नीरज ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। ऐसे में अब उनका लक्ष्य यहां 90 मीटर से अधिक रेंज हासिल करना रहेगा। नीरज अगर 10-मैन फील्ड में शीर्ष

पर रहते हैं तो वे लुसाने में जीत की हैट्रिक पूरी कर सकते हैं। नीरज ने 87.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 2023 में लुसाने डायमंड लीग जीती। नीरज ने 2022 में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ लुसाने डायमंड लीग जीती थी। इस लीग में इस बार ओलंपिक स्वर्ण विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम भाग नहीं ले रहे हैं। लुसाने के अलावा एक और डायमंड लीग भाला फेंक प्रतियोगित 5 सितंबर को ज्यूरिख में होगी। नीरज वर्तमान में डायमंड ट्रॉफी 2023 के विजेता जैकब वडलेज 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर हैं जिन्होंने दोहा में जीत हासिल की जबकि पेरिस में तीसरा स्थान हासिल किया। एंडरसन पीटर्स 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 8 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, ये सभी पेरिस में जीत से आए हैं। ऐसे में नीरज को इन सभी से टक्कर मिलेगी।
नीरज दोहा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद 7 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं, यह भारतीय डायमंड लीग की एकमात्र मीटिंग है जिसमें उन्होंने सत्र में अब तक भाग लिया है। शीर्ष 6 डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। नीरज ने 2022 में डायमंड ट्रॉफी जीती और 2023 में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे।

वापसी के बाद और भी घातक हुए बुमराह : साउदी

एजेंसी

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट से उबरने के बाद और भी घातक गेंदबाजी करने लगे हैं। बुमराह ने आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। साउदी का मानना है कि बुमराह पीठ की चोट से वापसी के बाद से और भी अधिक खतरनाक हुए हैं। इस चोट के कारण बुमराह को पिछले साल अधिकतर समय मैदान से बाहर ही रहना पड़ा। बुमराह ने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद अगस्त 2023 में वापसी

करते हुए कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पिछले पांच-छह वर्षों में सारे प्रारुपों में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया था। साउदी ने कहा, सबसे पहले तो बड़ी चोट से उबरकर वापसी करना और कई प्रारुपों में खेलना मुश्किल होता है पर इसके बाद भी बुमराह का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि वह आसानी से वापसी में सक्षम है। वह शायद अधिक अनुभवी है, अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उसने चोट के बाद शानदार तरीके से वापसी की। हमने तीनों ही प्रारुपों में उसका जबरदस्त प्रदर्शन देखा है। मुझे नहीं लगता कि उनसे बेहतर कोई और है।

मणिपुर के डीजीपी ने मीराबाई चानू, नीलकांत शर्मा को किया सम्मानित

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीट मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में सम्मानित किया। पेरिस ओलंपिक में भारत का अभियान पांच कांस्य और एक रजत सहित छह पदकों के साथ समाप्त हुआ। मणिपुर पुलिस ने एक्स पर सम्मान समारोह की झलकियाँ साझा कीं और लिखा, ह्यमणिपुर के 2024 पेरिस ओलंपियन अर्थात् सुश्री मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ डीजीपी मणिपुर द्वारा सम्मानित किया गया। मणिपुर पुलिस को

उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में सभी प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया गया है। चानू और नीलकांत शर्मा मणिपुर से हैं। चानू मामूली अंतर से पोडियम स्थान से चूक गईं और महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया।
इस बीच, नीलकंठ शर्मा को कृष्ण बहादुर पाठक और जुगराज सिंह के साथ भारत की पुरुष हॉकी टीम की वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन पर 2-1 की जीत के बाद ओलंपिक में 52 वर्षों में पहली बार लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता।
निशानेबाजी में मनु भाकर ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह स्वतंत्रता के बाद के युग में ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। इससे पहले यह गौरव पेरिस 1900 खेलों में नॉर्मन प्रिचर्ड के नाम था। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु ने कांस्य पदक जीता और इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। सरबजोत सिंह के साथ मनु ने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना दूसरा कांस्य हासिल किया। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहकर वह पदकों की हैट्रिक बनाने से चूक गईं। स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर खड़े होकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया।
भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा टोक्यो में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफल रहे, लेकिन 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। पहलवान अमन सेहरावत, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया, ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज पर 13-5 की जीत के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

क्रोएशिया में इवान जैलीकोविक यूरोवाली क्वालीफायर में खेलते हुए।

बांके बिहारी मंदिर की मूर्ति है बेहद चमत्कारी, रहस्य जान रह जाएंगे हैरान

बांके बिहारी मंदिर में स्थित मूर्ति का स्वरुप जितना मनमोहक है उतनी ही वह मूर्ति रहस्यमय है। बांके बिहारी मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति के दर्शन के लिए देशभर से ही नहीं बल्कि विदेश तक से लोग आते हैं। बांकेबिहारी मंदिर में स्थित मूर्ति को लेकर कहा जाता है कि बांके बिहारी की मूर्ति में दो प्राणों का वास है। बांके बिहारी के प्राकट्य का कथा बहुत ही अद्भूत है। बाकें बिहारी की विग्रह मूर्ति से जुड़े रहस्य जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

बांके बिहारी मंदिर के बारे में तो आपने सुना ही होगा। वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर को लेकर कई मान्यताएं हैं। यहां देश विदेश तक से लोग बांके बिहारी जी की एक झलक पाने के लिए आते हैं। वैसे तो मथुरा वृंदावन में भगवान कृष्ण के बहुत सारे मंदिर हैं लेकिन, बांके बिहारी मंदिर की प्रसिद्धि अलग ही है। बांके बिहारी मंदिर कई चमत्कारों से भरा हुआ है। यहां जो भगवान कृष्ण की मूर्ति विराजमान हैं वह भी बेहद चमत्कारी है। मान्यता है कि इस मूर्ति में एक नहीं बल्कि दो प्राण का वास है। आइए जानते हैं बांके बिहारी मंदिर में मूर्ति कहां से आई है और इससे से जुड़े रहस्य।

कब हुआ था बांके बिहारी का प्राकट्य

बांके बिहारी मंदिर में भगवान कृष्ण की काले रंग की मूर्ति विराजमान हैं। मान्यताओं के अनुसार, बांके बिहारी का प्राकट्य मार्गशीर्ष मास की पंचमी तिथि के दिन हुआ है। हर साल इस दिन वृंदावन में विशाल उत्सव मनाया जाता है। आइए जानते हैं बांके बिहारी की मूर्ति के प्राकट्य की पूरी कहानी...

कौन थे हरिदास जी

तानसेन जो एक संगीत सम्राट थे उनके गुरु स्वामी हरिदास जी भगवान कृष्ण को अपना आराध्य मानते थे। उन्हें अपना संगीत भगवान कृष्ण को समर्पित कर रखा था। वह भगवान कृष्ण की भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। वह भगवान कृष्ण की रास लीला स्थल निधिवन में बैठकर भक्ति गीत गाते हैं। जब भी हरिदास की भक्ति में पूरी तरह से लीन होकर गीत गाते थे तब भगवान कृष्ण को हरिदास जी दर्शन देते थे।

हरिदास जी ने भगवान कृष्ण को बताई अपनी इच्छा

एक दिन हरिदास जी के शिष्य ने उनके कहा कि हम सब भी भगवान कृष्ण और राधा जी के दर्शन करना चाहते हैं। इसके बाद हरिदास जी अपने शिष्यों की भावनाओं को ध्यान में रखकर भजन गाने लगे। कुछ देर बाद भगवान कृष्ण और राधा रानी ने उन्हें दर्शन दिए। उन्हें भगवान कृष्ण और राधा रानी से अपने भक्तों की इच्छा के बारे में बताया तब भगवान कृष्ण और राधा रानी ने उनसे उसी स्वरूप में वहां ठहरने की बात रही। इसपर हरिदास जी ने कहा कि हे प्रभु मैं तो एक संत हूं मैं आपको तो जैसे तैसे रख भी लूंगा लेकिन राधारानी को कैसे रख पाऊंगा। उनके लिए रोजाना नए आभूषण, वस्त्र कहा से लाऊंगा।

कैसे प्रकट हुई बांकेबिहारी की मूर्ति

हरिदास जी के ऐसे वचन सुनकर भगवान कृष्ण मुस्कुराने लगे और तभी राधा कृष्ण एकाकार होकर विग्रह रूप में प्रकट हुए स्वामी हरिदास जी ने उस मूर्ति का नाम बांकेबिहारी रख दिया। बांके बिहारी, राधा कृष्ण का ही मिलाजुला स्वरुप हैं। यानी बांके बिहारी मंदिर में जो मूर्ति है उसमें कृष्ण और राधा दोनों के ही प्राणों का वास है। ऐसी मान्यता है कि विग्रह रूप में भगवान के दर्शन करने से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। जब राधा कृष्ण विग्रह रूप में प्रकट हुए तो हरिदास जी बहुत ही भक्ति के साथ **''भाई री सहज जोरी प्रकट भई, जुरंग की गौर स्याम घन दामिनी जैसे। प्रथम है हुती अब हूं आगे हूं रहिहै न टरि है तैसे।। अंग अंग की उजकाई सुघराई चतुराई सुंदरता ऐसे। श्री हरिदास के स्वामी श्यामा कुंज बिहारी सम वैसे वैसे।।''** गाने लगे।

कब वृंदावन आए थे हरिदासजी

मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन वृंदावन में बहुत ही बड़ा उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। वृंदावन के हर एक मंदिर, मठ आश्रम आदि में बड़ी धूमधाम के साथ उत्सव मनाया जाता है। संवत 1560 विक्रमी में स्वामी हरिदास अपने पिता श्री आशुधीर जी से युगल मंत्र की दीक्षा लेकर विरक्त होकर वृंदावन चले गए थे। यहां यमुना के तट के सघन वन में अपनी साधना की उसे आज निधिवन के नाम से जाना जाता है। वहीं, 1562 में हरिदास जी की रस साधना के फलस्वरूप श्री बांके बिहारी जी महाराज के स्वरूप का प्राकट्य हुआ था।

शनि के कारण रहस्यमयी प्रवृत्ति के होते हैं मकर राशि वाले

इन्हें समझना आसान नहीं

ज्योतिष शास्त्र में राशियों के स्वामी ग्रहों के साथ-साथ उनके स्वभाव, गुण, और ग्रहों के स्थिति के आधार पर राशियों के साथ कुछ विशेष चिन्ह जोड़े गए हैं। राशि चक्र में दसवीं नम्बर की राशि मकर है। मकर राशि को मगरमच्छ के चिन्ह के रूप में दर्शाने का कारण मगरमच्छ का स्वभाव और व्यवहार मकर राशि के विशेष गुणों और व्यक्तित्व के साथ मेल खाना है।

मकर राशि को मगरमच्छ के चिन्ह के रूप में दर्शाने का कारण मगरमच्छ का स्वभाव और व्यवहार मकर राशि के विशेष गुणों और व्यक्तित्व के साथ मेल खाना है। मगरमच्छ की तरह मकर राशि वाले व्यक्तियों को कठिनाइयों के सामने संघर्ष करने की क्षमता विद्यमान रहती है। वृहद पाराशर होरा शास्त्र के राशि स्वरूप अध्याय चार, श्लोक 19-20 में मकर राशि के स्वरूप आदि की चर्चा की गई है जिसके अनुसार मकर राशि का स्वामी शनि, तमोगुणी स्वभाव, दक्षिण दिशा की अधिपति, रात्रि में बलवान, पृष्ठोदयी, बड़े शरीर वाली, मगरमच्छ की आकृति वाली, जल व थलचारी, अग्रभाग में चौपाया रूप (हिरणवत्) पृष्ठ में पैर रहित, जलचरी मकर स्वरूप वाली है। शनि के प्रभाव के कारण मकर राशि के जातकों के मन में दूसरों को नियंत्रित करने की छुपी हुई इच्छा विद्यमान होती है। ज्योतिष पर शोध करने वाले ज्योतिषाचार्यों के शोध परिणाम बताते हैं कि राशि स्वामी पाप प्रभाव में होने पर मकर राशि वाले मगरमच्छ के समान अपने शत्रुओं पर छिपकर हमला करते हैं।

मकर राशि को अंग्रेजी में कैप्रिकॉर्न कहते हैं। अगर आपके नाम का प्रथम अक्षर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी में से है, तो आपकी मकर राशि है।

- शुभ रंग: नीला
- शुभ दिन: शनिवार
- शुभ तारीखें: 8, 17, 26
- शुभ अंक: 8
- शुभ रत्न: नीलम
- शुभ दिशा: दक्षिण
- शुभ देवता: शनैश्चर (शनि देव)
- शुभ व्रत: शनिवार
- मित्र राशि: तुला, वृष
- शत्रु राशि: सिंह
- राशि स्वामी: शनि
- व्यक्तित्व: शांत प्रकृति, परिश्रमी, संदेहशील, कूटनीतिज्ञ।
- गुण: दिखावा रहित और रहस्यवादी प्रकृति।
- अवगुण : स्वार्थी, लापरवाह, एकान्तप्रिय।
- वैवाहिक एवं प्रेम सम्बन्ध : इनका वैवाहिक एवं प्रेम सम्बंध वृष, कर्क, तुला, वृचिक, मीन तथा मकर राशि वालों से अनुकूल रहता है।
- व्यापार/सर्विस: मकर राशि वालों के लिए लेखन, शिक्षण एवं अनुसंधान, न्याय, कानून एवं विधि, वकालत, हस्तशिल्प, डिजाइनिंग, डेकोरेशन आदि के क्षेत्र उपयुक्त रहते हैं।
- स्वास्थ्य : इस राशि के व्यक्तियों को पेट रोग, वायु पित्त, नेत्र रोग आदि से सावधानी रखनी चाहिए।
- धारण योग्य रुद्राक्ष: सात मुखी, चौदह मुखी।

जन्माष्टमी पर अबकी बार जयंती सहित रोहिणी योग

जन्माष्टमी का पर्व इस बार देशभर में 26 अगस्त सोमवार के दिन मनाया जाएगा। इस बार जन्माष्टमी पर जयंती योग का शुभ संयोग बना हुआ है। ऐसे में सबसे शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना करने से भक्तों को भगवान कृष्ण की विशेष कृपा मिलने वाली हैं। आइए जानते हैं कृष्ण जन्माष्टमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त और योग।

जन्माष्टमी का पर्व भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन मनाई जाती है। जन्माष्टमी पर भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। हर साल जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार जन्माष्टमी पर बहुत ही शुभ योग बन रहे हैं। जैसे योग भगवान कृष्ण के जन्म के समय बने थे वैसे ही योग इस बार भी बन रहे हैं। बता दें कि इस बार कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त सोमवार के दिन मनाया जाएगा। इस बार के बने शुभ योग में व्रत रखने से भक्तों को व्रत को चार गुना अधिक फल मिलने वाला है।

जन्माष्टमी पर बने हैं बेहद शुभ योग

इस बार संयोग ऐसा बना है कि जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि एक ही दिन है जिससे की साधु सन्यासी और गृहस्थ सभी एक ही दिन भगवान कृष्ण की भक्ति उपासना कर पाएंगे। पंचांग की गणना बता रही है कि 26 तारीख को सोमवार के दिन अष्टमी तिथि सुबह 3 बजकर 40 मिनट से आरंभ होगी। 26 तारीख को रात के 2 बजकर 20 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त होगी। जन्माष्टमी के दिन रोहिणी नक्षत्र दोपहर में 3 बजकर 55 मिनट से आरंभ होगा और 27 तारीख की मध्य रात्रि 3 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

जयंती योग का शुभ संयोग

इस दिन चंद्रमा वृषभ राशि में होंगे जैसा की भगवान कृष्ण के जन्म के समय संयोग बना है। दरअसल, उस दिन भी चंद्रमा वृषभ राशि में ही थे। जिस रात में अष्टमी तिथि मध्यकाल में होती है उसी दिन जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन रोहिणी नक्षत्र और चंद्रमा का वृषभ राशि में होना बेहद ही शुभ फलदायी रहेगा। साथ में अगर जन्माष्टमी पर सोमवार या बुधवार हो जाए तो यह बहुत ही दुर्लभ संयोग बनाता हैं। बुधवार और सोमवार को जन्माष्टमी होने पर जयंती योग का शुभ संयोग बनता है। जिसे जयंती योग भी कहते हैं। दरअसल, जिस दिन भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था उस दिन बुधवार था। ठीक इससे छह दिन बाद यानी सोमवार को भगवान कृष्ण का नामकरण आदि कार्य किए गए थे। इसलिए जन्माष्टमी सोमवार या बुधवार में होना बेहद शुभ मानी जाती है।

जन्माष्टमी पूजन मुहूर्त- जन्माष्टमी के दिन वैसे तो आप किसी भी समय पूजन कर सकते हैं। लेकिन, इस दिन पूजा के लिए तीन बेहद ही शुभ मुहूर्त है जिसमें पूजा करना बहुत ही शुभ फलदायी साबित होगा। सुबह 5 बजकर 56 मिनट से 7 बजकर 37 मिनट तक सुबह की पूजा के लिए उत्तम समय इस दौरान अमृत चौघड़िया रहने वाला है। शाम के समय लाभ और अमृत चौघड़िया पूजन का मुहूर्त 3 बजकर 36 मिनट 6 बजकर 49 मिनट तक। वहीं, रात में 12 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक निशीथ काल का समय सबसे उत्तम रहेगा जो जन्माष्टमी पूजन के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: दुर्लभ योग में ऐसे करें पूजन, कान्हा आऐंगे आपके घर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन व्रती को भगवान के आगे संकल्प लेना चाहिए कि व्रतकर्ता श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्ति के लिए, समस्त रोग-शोक निवारण के लिए, संतान आदि कोई भी कामना जो शेष हो उसकी पूर्ति के लिए विधि-विधान से व्रत का पालन करेगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर मनोकामना पूर्ति एवं स्वास्थ्य सुख के लिए संकल्प लेकर व्रत धारण करना लाभदायक माना गया है। संध्या के समय भगवान के लिए झूला बनाकर बालकृष्ण को उसमें झुलाया जाता है। आरती के बाद दही, माखन, पंजीरी व उसमें मिले सूखे मेवे, पंचामृत का प्रसाद भोग लगाकर भक्तों में बांटा जाता है। पंचामृत द्वारा भगवान का स्नान एवं पंचामृत ग्रहण करने से प्रमुख पांच ग्रहों की पीड़ा से मुक्ति मिलती है। दूध, दही, घी, शहद, शक्कर द्वारा निर्मित पंचामृत पूजन पश्चात् अमृततुल्य हो जाता है जिसके सेवन से शरीर के अन्दर मौजूद हानिकारक विषाणुओं का नाश करता है, शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है।

अष्टमी की अर्द्धरात्रि में पंचामृत द्वारा भगवान का स्नान, लौकिक एवं परलौकिक प्रभावों में वृद्धि करता है। रात्रि में बारह बजे, खीरे में भगवान का जन्म करवाकर जन्मोत्सव मनाना चाहिए। जहाँ तक संभव हो संयम नियमपूर्वक से ही व्रत करना चाहिए। जो लोग अस्वस्थ हों उन्हें व्रत नहीं करना चाहिए। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने से सात जन्मों के पापों का नाश होता है। भगवान कृष्ण की भक्ति एवं कृपा प्राप्त होती है। जन्माष्टमी के दिन व्रत धारण कर गोदान करने से करोड़ों एकादशियों के व्रत के समान पुण्य प्राप्त होता है।

जन्माष्टमी पर करें बांसुरी का विशेष उपाय - योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण को मुरलीवाला कहा जाता है। वास्तव में मुरली, बांसुरी पूर्वकाल में ब्रह्मा जी की मानस पुत्री सरस्वती जी थीं। एक श्राप के कारण सरस्वती जी को बांस के रूप में जन्म मिला लेकिन बांस बनने से पूर्व मां सरस्वती ने प्रभु प्राप्ति के लिए तप किया जिसके फलस्वरूप कृष्ण अवतार में बांसुरी भगवान कृष्ण की सहचरी बनी। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी सभी जड़ और चेतन का मन मोह लेती है। मनोकामना पूर्ति एवं के लिए जन्माष्टमी के दिन श्रीकृष्ण मंदिर में जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी अवश्य चढ़ाऐं। अगर ग्रहदशा से पीड़ित हों, तो एक बांसुरी में चीनी भरकर पीपल के पेड़ के नीचे दबा दें, इससे शीघ्र ही मनोकामना पूर्ण होगी।

इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन आकाश में कई ग्रहों का शुभ संयोग एवं अर्द्धरात्रिव्यापिनी अष्टमी तिथि, सोमवार, रोहणी नक्षत्र एवं उच्च वृष राशि के चन्द्रमा का दुर्लभ एवं पुण्यदायक योग बन रहा है। भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी, कृष्ण भक्ति, मनोकामनापूर्ति एवं व्रत आदि के लिए विशेष शुभप्रद है।

अजा एकादशी व्रत के प्रभाव से मिलती है सभी पापों से मुक्ति

अजा एकादशी का व्रत भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस व्रत को करने से व्यक्ति को सुख समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं अजा एकादशी व्रत कब रखा जाएगा और व्रत के पारण का समय ।

भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को अजा एकादशी के नाम से जाना जाता है। पद्म पुराण में अजा एकादशी को बहुत ही पुण्य फलदायी बताया गया है। इस एकादशी का महत्व इसलिए भी अधिक बढ़ जाता हैं क्योंकि, यह जन्माष्टमी से 4 दिन बाद आती है। पद्म पुराण के अनुसार, अजा एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि का वास होता है। साथ ही इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति के सभी पापों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं अजा एकादसी का व्रत की तारीख महत्व और मुहूर्त।

मुहूर्त- अजा एकादशी तिथि का आरंभ 28 अगस्त को मध्यरात्रि 1 बजकर 20 मिनट पर हो रहा है। अजा एकादशी तिथि का समापन 29 अगस्त की मध्य रात्रि 1 बजकर 38 मिनट पर होगा। उदय तिथि में एकादशी तिथि 29 अगस्त को होने के कारण अजा एकादशी का व्रत 29 अगस्त को ही रखा जाएगा।

29 अगस्त को दो शुभ योग भी बन रहे हैं। पहला सिद्धि योग और दूसरा सर्वार्थ सिद्धि योग इन दोनों योग को ज्योतिष शास्त्र में बहुत ही शुभ माना गया है। इस दौरान आप जो भी पूजा पाठ करेंगे वह सभी सिद्ध और सफल होते हैं। इसलिए इसबार अजा एकादशी के दिन दान पुण्य के कार्य करने का दोगुना फल प्राप्त होगा।

व्रत पारण का समय- अजा एकादशी व्रत पारण का समय 30 अगस्त को लाभ चौघडिया में 7 बजकर 34 मिनट से 9 बजकर 10 मिनट तक आप व्रत का पारण कर सकते हैं। इस दौरान व्रत का पारण करना बेहद शुभ रहने वाला है।

अजा एकादशी का महत्व

पद्मपुराण के अनुसार, जो व्यक्ति अजा एकादशी का व्रत करता है उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। अजा एकादशी के प्रभाव से व्यक्ति के पापों का नाश होता है। साथ ही इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।मान्यता यह भी है कि इस व्रत को करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान शुभ फल मिलता है।

जान्हवी कपूर से जुड़ी इस बात से हैरान हैं गुलशन देवैया

गुलशन देवैया हाल में ही जान्हवी कपूर के साथ फिल्म उलझ में नजर आए थे। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा भी गया था।
अभिनेता फिल्मों के अलावा अपने विचार बेबाकी से रखने के लिए भी जाने जाते हैं। हाल में ही उन्होंने इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने इस दौरान स्टार किड्स को लेकर दर्शकों की उत्सुकता पर भी बात की है। अभिनेता ने हाल में ही गैलाटा पल्स के साथ इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं समझ आता कि जान्हवी कपूर को सोशल मीडिया पर क्यों ट्रोल किया जाता है। अभिनेता ने कहा कि हो सकता है कि रेडिट पर एक खराब आस्क मी एनिथिंग की वजह से ऐसा हुआ हो, जो योजना के अनुसार घटित नहीं हुआ। इसके बावजूद उनके लिए हो रही ट्रोलिंग के स्तर से वह काफी हैरान हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की नकारात्मकता का हकदार कोई नहीं हो सकता। स्टार किड्स को मिलने वाले विशेषाधिकारों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, हो सकता है कि उनके पास कुछ फायदे हों, लेकिन कई मामलों में ये फायदे के रूप में काम नहीं करता। हां, हो सकता है कि इनमें से कुछ लोगों को अधिक अवसर मिलें, लेकिन वे असफल भी होते हैं। काफी असफल होते हैं, क्योंकि दर्शक शुरुआत में उनके लिए उत्साहित होते हैं, लेकिन 2-3 फिल्मों के बाद उतना उत्साह नहीं रह जाता। उनमें से कई तो ऐसे हैं, जो अब काम भी नहीं करते।
बताते चलें कि कुछ समय पहले गुलशन ने जान्हवी कपूर के साथ तालमेल न बैठने का बयान दे कर हलचल मचा दिया था। उन्होंने न्यूज 18 इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उनकी जान्हवी के साथ तालमेल बहुत अच्छी नहीं रही थी। हालांकि, अभिनेता ने साफ कर दिया था कि इसका असर उनके काम पर नहीं पड़ा था। उन्होंने साफ करते हुए कहा था कि तालमेल की कमी की वजह से उन्हें किसी भी सीन को करते वक्त अभिनेत्री के साथ जुड़ाव की कमी महसूस नहीं हुई थी।

वॉर 2 में कमांडो फाइट करती दिखेंगी कियारा आडवाणी?

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेत्री के पास कतार में कई फिल्में हैं, जिनमें से एक है अयान मुखर्जी की वॉर 2, जिसमें वे बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी पाने के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित रहते हैं। वहीं, अब कियारा आडवाणी के किरदार को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है, जिसने फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

ऋतिक-कियारा के एंट्री सीन्स की शूटिंग पूरी

रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी फिल्म में कमांडो फाइट सीक्वेंस में शामिल होंगी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही वॉर 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग में तेजी से चल रही है। वहीं अब सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की भूमिका को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि ऋतिक और कियारा ने हाल ही में अपने इंट्रोडक्शन सीन की शूटिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक जापानी दुश्मनों के साथ शाओलिन मंदिर के बैकग्राउंड में लड़ेंगे, वहीं कियारा एक लड़ाकू के रूप में शॉपिंग मॉल में उनके एंट्री सीन्स के लिए कमांडो फाइट करती नजर आएंगी। यह दृश्य मुंबई के मलाड स्थित इनफिनिटी मॉल में शूट किया गया था। शूटिंग वहां चार दिनों तक जारी रही।

वाईआरएफ की छठी स्पाई फिल्म

वॉर 2 वाईआरएफ द्वारा बनाई गई स्पाई दुनिया की छठी फिल्म होगी। इससे पहले आई फिल्मों में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है , वॉर, पठान और टाइगर 3 शामिल हैं। यह फिल्म अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म भारत के स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है।

यूनाइटेड किंगडम में काम करना चाहती हैं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा ने बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों में अपनी जगह पक्की कर ली है। वह पिछले कुछ सालों में कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में अमर सिंह चमकीला में उनके अभिनय को दर्शकों से खूब सराहना मिली। इस बीच, अभिनेत्री, जो वर्तमान में यूके में अपनी छुट्टियां मना रही हैं, ने यूरोपीय राष्ट्र में काम के अवसरों को तलाशने की इच्छा भी जताई है।

हाल ही में ईस्टर्न आई के साथ बातचीत के दौरान, परिणीति चोपड़ा से पूछा गया कि उनकी बहुमुखी प्रतिभा को देखते हुए, क्या उन्होंने कभी भारतीय सिनेमा से दूर पश्चिम में काम करने के बारे में सोचा है। इस टिप्पणी से उत्साहित, अभिनेत्री ने तुरंत खुलासा किया कि वह काम के अवसरों के लिए तैयार हैं। उसने कहा, ओह, बहुत-बहुत धन्यवाद। क्यों नहीं? वास्तव में, मैं वास्तव में यूके में काम करना चाहती हूं और अवसरों की तलाश करना चाहती हूं। यह कुछ ऐसा है जिसमें मेरी बहुत दिलचस्पी होगी, शायद हॉलीवुड की तरह पश्चिम में नहीं। यूके में ही कुछ रचनात्मक। इसके अलावा, परी ने आगे जाने की अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने करियर के उस चरण में हैं जहां वह मात्रा से अधिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देती हैं। उनके अनुसार, भले ही गुणवत्ता का मतलब सिर्फ एक और फिल्म करना हो, यह ठीक रहेगा क्योंकि एक प्रोजेक्ट को अमर सिंह चमकीला की तरह उन्हें अंदर से उत्साहित करना चाहिए। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए खुलासा किया कि उन्होंने दो साल पहले चमकीला में काम किया था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वह भूमिका करने के लिए उत्साहित थीं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी सबसे बड़ी सीख ऐसी भूमिकाएँ करना है जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से उत्साहित करती हैं, होमवर्क की आवश्यकता होती है और लोगों के दिलों को छूती हैं। उन्होंने कहा, यह अब वह अनुभव है जिसकी मुझे तलाश है। परिणीति इन दिनों लंदन, यूनाइटेड किंगडम में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अक्सर ब्रिटिश राजधानी में अपने सुखद समय की झलकियाँ साझा की हैं। इस बीच, काम के मोर्चे पर, परी को आखिरी बार इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में देखा गया था, जिसमें दिलजीत दोसांझ भी थे। यह बायोग्राफिकल ड्रामा पंजाब के दिग्गज गायक के जीवन पर आधारित था, जो रिकॉर्ड तोड़ने वाले गीतों के लिए जाने जाते थे। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई थी और इसे दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से अपार प्यार और सराहना मिली थी।

अल्फा में हुई ऋतिक रोशन की एंट्री!

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ जल्द ही यशराज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में नजर आने वाली हैं। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों को एक्शन अवतार में देखने का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का निर्देशन द रेलवे मेन जैसी शानदार वेब सीरीज बना चुके शिव रवैल कर रहे हैं। इस बीच अल्फा को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म में ऋतिक रोशन की भी एंट्री हो गई है। आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म अल्फा में वह विशिष्ट भूमिका में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक का किरदार इस स्पाई यूनिवर्स की अन्य कहानियों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करेगा। मेकर्स का यह दांव फिल्म को सुपरहिट बनाने में बड़ी मदद कर सकता है। यशराज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर में ऋतिक को एजेंट कबीर की भूमिका में देखा गया था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के किरदार खालिद के साथ उन्होंने ऐसा दमदार एक्शन दिखाया था कि दर्शक अपनी सीट से चिपके रहने पर मजबूर हो गए थे। अब अल्फा में उनके कैमियो के जरिए इस स्पाई यूनिवर्स की जोड़ने की उम्मीद जताई जा रही है। अल्फा में आलिया भट्ट और शरवरी के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी नजर आएंगे।
मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में ऋतिक की भूमिका को गुप्त रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ऐसा कहा जा रहा है कि वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण क्षण में दिखाई देंगे, जो संभवतः इस यूनिवर्स की भविष्य की फिल्मों में एक बड़े क्रॉसओवर के लिए मंच तैयार करेगा। प्रशंसक ऋतिक के कबीर को फिर से एक्शन में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, भले ही यह सिर्फ एक कैमियो के लिए हो, क्योंकि उनका किरदार भारतीय सिनेमा की जासूसी शैली में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले किरदारों में से एक है।

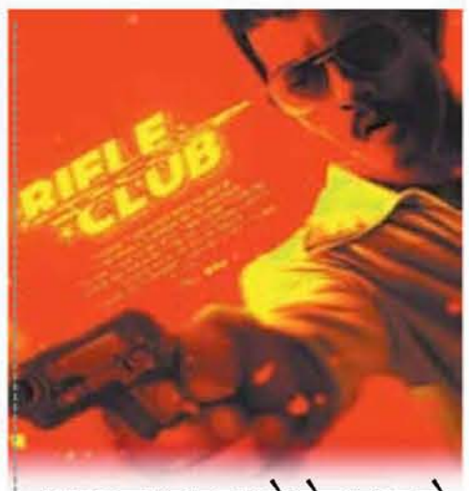

राइफल क्लब से डेब्यू करने जा रहे हैं रैपर हनुमानकाइंड

इन दिनों इंटरनेट पर जो-जो नाम वायरल हो रहे हैं, उनमें एक नाम रैपर हनुमानकाइंड का भी हैं, जिनके गाने बिग डॉग्स ने धमाल मचा रखा है। अब खबर आ रही है कि हनुमानकाइंड जल्द ही अपने अभिनय करियर की भी शुरूआत करने जा रहे हैं। उनके लिए यह फिल्म काफी खास होने वाली हैं। रैपर हनुमानकाइंड, जिस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखेंगे, उसका नाम राइफल क्लब है। यह एक मलयालम फिल्म है, जिसका निर्देशन आशिक अबू ने किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से हनुमानकाइंड का लुक भी शेयर किया है। उनके किरदार का नाम भीरा होगा। राइफल क्लब के इस पोस्टर में भीरा के किरदार में हनुमानकाइंड को हाथ में बंदूक थामे देखा जा सकता है। उनका लुक काफी खतरनाक लग रहा है। इस फिल्म में निर्देशक अनुराग कश्यप ने भी अभिनय किया और हनुमानकाइंड उन्हीं के बेटे का किरदार अदा कर रहे हैं। बता दें कि राइफल क्लब के जरिए अनुराग कश्यप मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राइफल क्लब में अनुराग कश्यप और हनुमानकाइंड के साथ-साथ विनीत कुमार, सुरेश कृष्णा, दर्शना राजेंद्रन, सुरभि लक्ष्मी, रमजान मुहम्मद, रफी, उन्नीमाया प्रसाद और विजयराघवन ने भी अभिनय किया है।

अच्छे को-स्टार्स के लिए जूझ रही हैं एक्ट्रेसेस

सशक्त महिला किरदारों के लिए मशहूर एक्ट्रेस तापसी पन्नू के अनुसार, नायिका प्रधान होने के कारण नामी हीरो उनकी फिल्में करने से कतराते हैं। देखा जाए तो तापसी बिल्कुल सही हैं। बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो महिला केंद्रित फिल्मों से दूर ही दिखते हैं। हालांकि, हाल ही में आई जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ में गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू साथ खड़े नजर आए तो शरवरी वाघ स्टारर वेदा में जॉन अब्राहम खुद को उनका सारथी कहते दिखे।

मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में चार सीन और दो गाने करतीं कटरीना कैफ हों या फिर सलमान खान की बजरंगी भाईजान में चंद सीन में दिखतीं करीना कपूर खान, बॉलीवुड की हीरो सेंट्रिक फिल्मों में एक्ट्रेसेस अकसर साथी या सहयोगी की भूमिका में नजर आती रही हैं। मगर अब जरा ये रोल रिवर्स यानी हीरो ही जगह हीरोइन सेंट्रिक फिल्म करके देखिए, क्या दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, आलिया भट्ट या तापसी पन्नू की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्मों में आप शाहरुख, आमिर, सलमान छोड़िए, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, ऋतिक रोशन या वरुण धवन जैसे सितारों की कल्पना भी कर सकते हैं? नहीं ना, क्योंकि नायक प्रधान बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो नायिका का साथी या सारथी बनने में अपनी तौहीन समझते हैं।
बॉलीवुड में एक अरसे से एक्ट्रेसेस पुरुष प्रधान फिल्मों का हिस्सा बनती रही हैं, फिर उनमें उनका रोल हीरो की गर्लफ्रेंड या सिर्फ ग्लैमर जोड़ने भर का क्यों ना रहा है। खास बात यह है कि ज्यादातर एक्ट्रेसेस उसमें भी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। जबकि, वक्त बदलने के साथ अब जब नायिका प्रधान फिल्में भी काफी संख्या में बन रही हैं, हीरोज उनका हिस्सा बनने का साहस नहीं दिखा पाते। मसलन, रणवीर सिंह की गली बॉय में गर्लफ्रेंड सकीना के रोल में आलिया भट्ट दिख जाएंगी, लेकिन आलिया की गंगूबाई काठियावाड़ी या जिगरा में शांतनु माहेश्वरी या वेदांग रैना जैसे नए चेहरे ही नजर आते हैं। अक्षय कुमार की बेल बॉटम या जॉली एलएलबी 2 में हुमा कुरैशी आपको दिखेंगी, पर जब वह तरला बनती हैं, तो उनके पार्टनर के तौर पर शारिब हाशमी साथ खड़े दिखते हैं। मुल्क से लेकर थप्पड़, रश्मि रॉकेट, शाबाश मिथु, हसीन दिलरुबा तक अपनी हर फिल्म में दमदार भूमिकाएं निभाने वाली तापसी पन्नू ने कई मौकों पर यह खुलासा किया है कि उन्हें हर फिल्म में अच्छे मेल को-स्टार के लिए संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि उनकी फिल्मों में महिला किरदार ज्यादा सशक्त होता है। बकौल तापसी, हर बार जब मैं प्रोड्यूसर्स के साथ अपनी फिल्मों के लिए चुने गए टॉप पांच मेल एक्टर्स के नामों पर चर्चा करती हूं तो वो एक्टर्स वो होते हैं जिन्होंने सिर्फ एक या दो फिल्में की हैं और वो भी भूमिका नहीं चाहते हैं। कई मेल एक्टर्स ने ये बात खुद मुझसे कही है कि हम वो फिल्में नहीं कर सकते, जिनमें महिला किरदार बहुत स्ट्रॉन्ग हो।

मेल एक्टर्स में होती है असुरक्षा

तापसी के मुताबिक, ये स्टार अपने अभिनय को लेकर असुरक्षित हैं या उन्हें लगता है कि महिला प्रधान फिल्मों का छोटा हिस्सा बनने से उनका स्टार पावर कम हो जाएगा। तापसी के होम प्रॉडक्शन की पहली फिल्म ब्लर और हाल ही जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म उलझ में नजर आए एक्टर गुलशन देवैया भी एक हद तक ऐसी असुरक्षा पर सहमति जताते हैं। इस बारे में गुलशन कहते हैं, ऐसी इनसिक्योरिटीज होती हैं। पहले मेरे अंदर भी इस चीज को लेकर असुरक्षा की भावना थी। एक वक्त पर मुझे भी इन चीजों से फर्क पड़ता था कि पता नहीं करना चाहिए या नहीं, लेकिन मैंने तय किया कि मुझे इन इनसिक्योरिटीज से बाहर निकलना है।
अब मैं वही काम करता हूं जो मुझे इंट्रेस्टिंग लगता है। अब मैं ये सब नहीं सोचता कि मेरे साथ कौन सीन में है, मुझे सीन में चमकने का मौका मिलेगा या नहीं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हीरो कौन है? मुझे फिल्म पसंद आ रही है तो मैं वो करूंगा।
वहीं, अपनी फिल्म हसीन दिलरुबा का सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा लेकर आ रहीं राइटर-को प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन कहती हैं, मेरा मानना है कि आप जिस एक्टर्स के पास कहानी लेकर जाएंगे, उसे जस्टिफाई करना पड़ेगा कि वह रोल उसके लायक है। जैसे, मनमर्जियां में तापसी के साथ अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल दोनों हैं और उसमें तीनों की कहानी अहम है, लेकिन रश्मि रॉकेट में मेन किरदार लड़की का ही है। ऐसे में, अगर मेल एक्टर को लगे कि उसके लिए कुछ करने को ही नहीं है तो वह जायज है। कोई फीमेल आर्टिस्ट भी यही सोचेगी कि मेरे लिए कुछ है या नहीं, जो वाजिब बात है।

दुर्घटना रोकने को व्यापक रणनीति बनाएं : दयाशंकर सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश

दयाशंकर सिंह ने जनपद गौतमबुद्धनगर भ्रमण के दौरान स्कूल बसों के फिटनेस, अनाधिकृत संचालित बसों और ओवर लोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियो की सुरक्षा और सड़क दुर्घटना को रोकना सरकार की प्राथमिकता में है। इसके लिए रणनीति बनाकर कार्यवाही की जाए।

नशे/ नीद में वाहन चलाने और ओवरस्पीड गाड़ी चलाने के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये। नियम विरूद्ध संचालित वाहनों के पंजीयन और परमिट निरस्त किये जाने की कार्यवाही की जाए।

इस दौरान उत्तर प्रदेश परिवहन अधिकारी कल्याण संगठन के महासचिव के डी सिंह गौर द्वारा विभागीय समस्याओं के निस्तारण और आम जनता के कार्यो को अधिक सुगमता पूर्वक संपादित किए जाने हेतु एक ज्ञापन सौंपा गया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सियाराम वर्मा द्वारा ज्ञापन के बिंदुओं को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।

बैठक में उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र मेरठ,हरिशंकर सिंह, उप परिवहन अयुक्त परिक्षेत्र आगरा मयंक ज्योति, संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद प्रमोद कुमार सिंह, के डी सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी मेरठ हिमेश तिवारी, राज कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी गौतमबुद्धनगर डॉ सियाराम वर्मा डॉ उदित नारायण पाण्डेय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद राहुल श्रीवास्तव, मनोजकुमार मिश्र अमित राजन, क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज गाजियाबाद केशरी नन्दन चौधरी, क्षेत्रीय प्रबंधक गौतमबुद्धनगर मनोज कुमार सिंह, उपस्थित रहे।

पांच ट्रकों का चालान, 3 निरूद्ध

ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही में परिवहन विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा 5 ट्रक का चालान किया गया, 3 निरुद्ध किए गए। कुल 2 लाख 70 हजार प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया।

सदस्यता अभियान में जुट जाएं पदाधिकारी : हरीश ठाकुर

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा के जिला कार्यालय सेक्टर-116 में भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सदस्यता अभियान के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर मौजूद थे। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की।

क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि इस सदस्यता अभियान को लेकर हमारी तैयारी व्यापक और प्रभावी रहे, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारियों को इस अभियान में नए सदस्य बनाने है। इस अभियान को लेकर मंडल एवं मोर्चा स्तर पर भी कार्यशाला होगी। इस अभियान में सांसद को 20 हजार एवं विधायक को 10 हजार व्यक्तिगत नए सदस्य बनाने है। हर बूथ पर 200 सदस्य निगम आयोग बोर्ड के अध्यक्ष को 1000 एवं पदाधिकारियों को भी 500 का लक्ष्य दिया गया सभी मोर्चों एवं विभाग प्रकोष्ठ को भी नए सदस्य बनाने हे।

यह अभियान 1 सितम्बर से 25 सितंबर तक सदस्यता अभियान का पहला चरण चलेगा। 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर सदस्यता अभियान द्वितीय चरण चलेगा। 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा।

1 नवंबर से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्ट्रेशन प्लान भी तैयार किया जायेगा। इस अभियान में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहयोग करेंगे और नोएडा महानगर से नए सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनायेगे सदस्यता अभियान के लिए जिला एवं मंडल बूथ स्तर पर टीम गठित की जायेगी, 5 सितंबर को जिला स्तर पर सदस्यता अभियान के कार्यक्रम का आयोजन होगा उस दिन जिले में सदस्यता अभियान का शुभारंभ हो जायेगा और 17 सितंबर तक सदस्यता का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

कार्यशाला में विमला बाथम, हरीश चंद भाटी, जुगराज चौहान, क्षेत्रीय मंत्री बिजेंद्र नागर, भाजपा युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रामनिवास यादव, राकेश शर्मा, राजीव त्यागी, जिला महामंत्री गणेश जाटव, युद्धवीर चौहान, मुकेश शर्मा, अमरीश त्यागी, उमेश यादव, नरेश शर्मा, एस पी चमोली, सचिन अंबावता, मधु मेहरा, प्रमोद बहल, ओम यादव, गोपाल गौर, पंकज झा, शिवानी शरद आदि कार्यकर्ता रहे।

स्कूल के बच्चों को बांटी कॉपी-पेंसिल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) ने एस.डी. बाल विद्या मंदिर स्कूल सेक्टर -56 में लगभग 300 बच्चों को कॉपी और पेंसिल का वितरण किया।

कॉपी और पेंसिल वितरण कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल, अध्यापक, नोएडा पंजाबी एकता समिति के संरक्षक जसविंदर खोकर, अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता, महासचिव नरेन्द्र चोपड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, कार्यकारिणी सदस्य अश्वनी सदाना एवं विशाल संख्या में मातृशक्ति एवं बच्चे उपस्थित रहे।

आरक्षण में आरक्षण का विरोध

नोएडा (चेतना मंच)। दलित उत्थान महासभा के तत्वाधान में अनुसूचित जनजाति

एवं अनुसूचित जाति के आरक्षण में आरक्षण के विरोध में राष्ट्रपति के नाम जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार भारती ने किया। राजकुमार भारती ने कहा कि यह आदेश गैर संवैधानिक है। इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए ताकि दलित समाज का आपस में बंटवारा न हो सके।

इस कार्यक्रम में दलित उत्थान महासभा के संस्थापक हरपाल सिंह संरक्षक सुरेंद्र सिंह विजय गौतम उपाध्यक्ष धर्मपाल सिंह एडवोकेट उपाध्यक्ष निरंजन सिंह महासचिव लाल सिंह गौतम महासचिव विजय सिंह सचिव डॉ संजय भारती महासचिव निरंजन सिंह एडवोकेट धर्मपाल सिंह महेश सिंह प्रताप सिंह पप्पू ठेकेदार चरण सिंह कैन मुकेश टेलर अजीत सिंह विष्णु कुमार डब्बू सिंह सुरेंद्र सिंह एडवोकेट राजेंद्र एडवोकेट एसएस वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

380 कर्मचारियों की हुई हेल्थ कैंप में जांच

नोएडा (चेतना मंच)। फेलिक्स हॉस्पिटल और नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से गुरुवार को इंदिरा गांधी कला केंद्र, सेक्टर-6 नोएडा में फ्री हेल्थ कैंप और डॉक्टर टॉक (कैंसर जागरुकता) का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के सी.ई.ओ. डॉ. लोकेश एम, आई.ए.एस. ने किया। शिविर में नोएडा प्राधिकरण के लगभग 380 कर्मचारियों की जांच की गई। शिविर में डॉ. डी.के. गुप्ता (चेयरमैन, फेलिक्स हॉस्पिटल) के साथ डॉ. रश्मि गुप्ता (मैनेजिंग डायरेक्टर, फेलिक्स हॉस्पिटल) और विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मुफ्त परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं जिनमें हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, ऑन्कोलॉजिस्ट, फ़िज़िओथेरपिस्ट, ऑर्थल्मोलॉजिस्ट और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट शामिल थे। इसके अलावा, शिविर में मुफ्त बी.पी., शुगर, ई.सी.जी., पी.एफ.टी., वेट-हाइट और बी.एम.आई. जाँच के अलावा विज़न टेस्टिंग (मोतियाबिंद एवं काला मोतियाबिंद सहित), बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट की सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर सही परामर्श देना है। शविर में ACEO आईएएस संजय कुमार खत्री, OSD महेंद्र प्रताप सिंह, ACEO वंदना त्रिपाठी, ACEO सतीश पाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा राजकुमार सिंह (अध्यक्ष), जितेंद्र कुमार (महा सचिव), नीरज राना, अमित कुमार (सचिव) एवं सुभाष कुमार कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

अंडर ग्राउंड विद्युत लाईनों के लिए भेजा है 1600 करोड़ का प्रस्ताव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में उद्यमियों की संस्था एनईए ने विद्युत

विभाग से जुड़ी समस्याओं को लेकर विवेक कुमार, अधीक्षण अभियंता, निशांत नवीन एंव शैलेश कुमार शर्मा अधिशासी अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल के साथ एक बैठक का आयोजन किया।

एनईए महासचिव वी.के. सेठ एंव वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने अधीक्षण अभियंता को बताया कि औद्यौगिक सैक्टरों में बार-बार ट्रिपिंग हो रही है, कई स्थानों पर पेड़ो की टहनियों विद्युत तारों से टकरा रही है। कुछ उद्यमियों को विभाग में जमा सिक्योरिटी पर ब्याज नहीं मिल पाया है ।

अधीक्षण अभियंता ने आश्वासन दिया कि बार-बार हो रही ट्रिपिंग को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे है। विभाग द्वारा ओवर हैड विद्युत लाईनों को अंडर ग्राउंड किये जाने, सब स्टेशनों के निमार्ण एंव मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार को 1600 करोड रूपये का प्रपोजल भेजा है। नोएडा में पर्याप्त बिजली है। 3 नये बिजलीघर बन चुके है और 19 नये सबस्टेशन बनाये जाने हैं। अधिशासी अभियंता निशांत नवीन ने बताया कि जिन उद्यमियों को सिक्योरिटी पर देय ब्याज नही मिल पाया है उनके आगामी बिलों में समायोजन कर दिया जाएगा।

बैठक में एनईए के महासचिव वीके सेठ, वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, राकेश कोहली, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष आर.एम. जिंदल, सचिव कमल कुमार, विरेन्द्र नरूला, राजन खुराना, सह कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, सुभाष जावा, अजय अग्रवाल, अतुल कांत वर्मा, ब्रिज मोहन अरोड़ा शामिल थे।

बैंकों में दलाल न हो सक्रिय, बैंक प्रबंधक रखें विशेष नजर : मनीष वर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की आर्थिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने के साथ-साथ केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से कलैक्ट्रेट सभागार में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जिले के बैंकर्स के साथ बैठक कर ऋण स्वीकृत संबंधी कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा में कई बैंकों का सीडी रेशों 60 फीसदी से कम पाया गया।

उन्होंने कहा कि सभी बैंकर्स सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत विभागीय अधिकारियों के माध्यम से उन्हें जो आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं, उनमें तत्परता के साथ निर्णय लेते हुए पात्र लाभार्थियों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराएं ताकि सभी पात्र लाभार्थी जनपद की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकें और

सरकार की मंशा के अनुरूप उन्हें ऋण प्राप्त हो सके। उन्होंने बैंकों से आये प्रतिनिधियों से कहा कि बैंक में आने वाले ग्राहकों के साथ मधुर व्यवहार रखते हुए उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाए एवं बैंक अधिकारी इस पर भी विशेष ध्यान रखें की बैंक में ग्राहकों के कार्यों के लिए कोई भी दलाल सक्रिय न रहे। ग्राहकों का काम सीधा बैंक अधिकारी एवं कर्मचारियों के माध्यम से ही कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अग्रणी जिला मुख्य प्रबंधक इन्दु जयसवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारी निष्पक्ष कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाएं : वी.के.सिंह

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम 1989 के तहत पंजीकृत प्रकरणों में पीड़ितों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के राज्य कार्यालय उत्तर प्रदेश के निदेशक वी.के. सिंह ने पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

निदेशक ने बैठक में सर्वप्रथम गौतमबुद्धनगर में सेक्टर 93 में रहने वाली सामूहिक बलात्कार की पीड़िता के प्रकरण की समीक्षा करते हुए समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि इस संबंध में अपनी आख्या तैयार करते हुए एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम 1989 के तहत पंजीकृत थाना एक्सप्रेस वे में अपराध संख्या 125/24, थाना बीटा 2, में अपराध संख्या 292/24, थाना सेक्टर 63 में अपराध संख्या 133/24, थाना सूरजपुर में अपराध संख्या 418/24, थाना फेस 1 में अपराध संख्या 361/24 तथा अन्य तीन प्रकरणों में वर्तमान तक की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपरोक्त सभी प्रकरणों में एक सप्ताह के अंदर अपनी आख्या तैयार करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के राज्य कार्यालय उत्तर प्रदेश को प्रेषित करें, ताकि उपरोक्त प्रकरणों पर आयोग की तरफ से डायरेक्शन जारी किया जा सके।

बैठक में डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह, डीसीपी हेडक्वार्टर रवि शंकर निम, पुलिस विभाग के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स एवं उप जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रकाश पांडे, समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी (विकास) कार्यालय से सीनियर असिस्टेंट पल्लवी शर्मा एवं एसीएमओ टीकम सिंह उपस्थिति रहे।